RNI N.- BIHBIL/2022/88070

www. bordernewsmirror.com

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः116, सोमवार , 05 मई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

गुणवत्ता के साथ बेहतर सड़क का निर्माण हमारी प्राथमिकता: मंत्री 03

प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या 04

सामंथा रुथ प्रभु द्वारा निर्मित पहली फिल्म शुभम का ट्रेलर लॉन्च... 07

## राजस्थान में पहली बार एमएलए रिश्वत केस में गिरफ्तार

### बीएपी विधायक के सरकारी क्वार्टर पर डील, गनमैन ने लिए 20 लाख

**जयपुर (एजेंसी)।** एंटी करप्शन ब्यूरो राजस्थान ने बागीदौरा (बांसवाड़ा) से विधायक जयकृष्ण पटेल को रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया है। राजस्थान में यह पहली बार है, जब किसी विधायक को रिश्वत के मामले में अरेस्ट किया गया है। बताया जा रहा है कि विधानसभा में खनन विभाग से संबंधित उठाए गए सवालों को वापस लेने के लिए भारत आदिवासी पार्टी के विधायक जयकृष्ण ने 2.5 करोड़ की डिमांड की थी। जयकृष्ण के जयपुर में ज्योति नगर स्थित सरकारी क्वार्टर पर डील हुई थी। विधायक का गनमैन रिश्वत के 20 लाख रुपए ले रहा था। टीम के आते ही वह भाग गया। गनमैन की तलाश में एसीबी की टीमें दबिश दे रही हैं। विधायक पटेल पर आरोप है कि वे पिछले कुछ समय से एक कंपनी को परेशान कर रहे थे। वे कंपनी को काम नहीं करने दे रहे थे। इसके एवज में उन्होंने कंपनी से ढाई करोड़ रुपए मांगे थे। कंपनी ने एसीबी को इसकी सूचना दी। एटीएस ने विधायक के कुछ मोबाइल नंबर, गनमैन के नंबर सहित कंपनी के कुछ कर्मचारियों को सर्विलांस पर लिया। एसीबी की टीम विधायक के आवास पर पहुंची थी।

## इलेक्शन कमीशन के 40 एप अब एक साथ जुड़ेंगे

### वोटर्स और राजनीतिक पार्टियों को होगा बड़ा फायदा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** चुनाव आयोग अब एक नया और आसान डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है, जिससे वोटर, चुनाव अधिकारी, राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन सभी को सुविधा मिलेगी। इस नए प्लेटफॉर्म का नाम ईसीआईनेट होगा। ईसीआईनेट चुनाव आयोग के पहले से मौजूद 40 से ज्यादा मोबाइल और वेबसाइट ऐप्स को एक

साथ लाएगा और उन्हें नया रूप देगा। यह एक ही जगह से चलने वाला ऐसा ऐप होगा जिसमें चुनाव आयोग की 40 से ज्यादा पुरानी मोबाइल और वेब ऐप्स को जोड़ दिया जाएगा। ईसीआईनेट के शानदार यूजर इंटरफेस के साथ इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान होगा, क्योंकि सभी चुनावी काम एक ही जगह पर हो सकेंगे। अब लोगों को अलग-अलग ऐप डाउनलोड करने और अलग-अलग लॉगिन याद रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत मार्च 2025 में हुई थी जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन में इसकी योजना बनाई थी।

## चित्रकूट से मैहर तक अब सफर होगा और आसान

### रामपथ गमन योजना के तहत बनेगा 77 किमी का फोरलेन हाईवे

**बांदा (एजेंसी)।** अब चित्रकूट से सतना और मैहर की यात्रा पहले से कहीं अधिक आसान और सुगम होने जा रही है। रामपथ गमन योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार ने 1,538 करोड़ रुपये की लागत से 77 किलोमीटर लंबे फोरलेन हाईवे के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस फोरलेन सड़क में तीन प्रमुख बाईपास भी शामिल होंगे, जिससे विशेषकर चित्रकूट मेले के दौरान लगने वाले भारी जाम से राहत

मिलेगी। ड्रोन तकनीक से सड़क के रूट का सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ हो गया है और जल्द ही चिन्हांकन की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। यह हाईवे एनएचआई द्वारा निर्मित किया जाएगा, जो चित्रकूट से होते हुए सतना तक जाएगा और इसे एक्सप्रेसवे जैसी गुणवत्ता दी जाएगी। बुंदेली सेना के अध्यक्ष एवं समाजसेवी अजीत सिंह ने बताया कि इस फोरलेन सड़क के निर्माण से चित्रकूट और सतना के बीच यात्रा का समय कम होगा और दोनों शहरों के बीच श्रद्धालुओं का आवागमन सुगम होगा। साथ ही व्यापारिक गतिविधियों में भी तीव्र वृद्धि की संभावना है। केंद्र सरकार की ओर से 2,661 करोड़ रुपये की लागत से रामपथ गमन मार्ग का भी निर्माण किया जा रहा है, जो चित्रकूट से शुरू होकर मैहर तक जाएगा।

## रामलला जिस टेंट में रहे, उसे मंदिर में रखा जाएगा

● नृपेंद्र मिश्रा बोले-श्रद्धालुओं को प्रेरणा मिले कि भविष्य में ऐसे हालात न हों

**अयोध्या (एजेंसी)।** अयोध्या में भगवान श्रीराम जिस टेंट में थे। वह टेंट ट्रस्ट के पास सुरक्षित है। उसे मंदिर परिसर में स्मृति चिह्न के तौर पर रखा जाएगा। 1949 में जिस सिंहासन पर विराजमान थे, वह भी मिल गया है। उसे भी दर्शन के लिए रखा जाएगा। यह श्रद्धालुओं को प्रेरणा देगा कि भविष्य में फिर से ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो। ये बातें श्री राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कही। फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की प्रतिमाएं आ चुकी हैं। राम और सीता सिंहासन पर विराजमान होंगे। लक्ष्मण और शत्रुघ्न पंखा डोलाते हुए दिखेंगे। हनुमानजी और भरत की प्रतिमाएं चरणों में बैठे हुए होंगी। नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि अभी इस पर विचार हो रहा है कि मंदिर के प्रथम तल के किस दरवाजे पर कितना सोना लगाया जाए। यह फैसला सोने की मात्रा के आधार पर लिया जाएगा। जो श्रद्धालुओं ने भेंट किया है। फिलहाल,

सोने का आंकलन किया जा रहा है। इसके बाद ही यह तय किया जाएगा कि मंदिर में कहां-कहां सोना लगेगा। दरअसल, रविवार को श्री राम मंदिर भवन निर्माण समिति की बैठक का अंतिम दिन था। बैठक में शनिवार को लिए गए फैसलों के बारे में समित के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने जानकारी दी। अब परकोटे को मंदिर को जोड़ना मुख्य चुनौती है। इसके लिए मंदिर के पश्चिमी दिशा में एक लिफ्ट और एक ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। जो श्रद्धालुओं की आवाजाही को सरल बनाएगा। काम तेजी से चल रहा है। समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा बताया-राम मंदिर के शिखर पर दो प्रकार की विशेष लाइटें लगाई जा रही हैं। पहली एविएशन सिग्नल लाइट होगी, जो हवाई जहाजों को मंदिर की ऊंचाई का संकेत देगी।

● भारी टेंशन के बीच पाकिस्तान को दिया तगड़ा झटका

## भारत की 'वाटर' स्ट्राइक बगलिहार डैम से रोका पानी

**श्रीनगर (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत सरकार ने सिंधु जल संधि रद्द करने का ऐलान कर दिया था। अब इस फैसले को अमली जामा पहनाना शुरू कर दिया गया है। एजेंसी के हवाले से खबर मिली है कि सरकार ने चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध के माध्यम से चिनाब नदी का पानी रोक दिया है। अब झेलम नदी के ऊपर बने किशन गंगा बांध के माध्यम से ऐसा ही एक और उपाय करने की योजना बनाई जा रही है। जम्मू के रामबन में स्थित बगलिहार बांध और उत्तरी कश्मीर में स्थित किशन गंगा बांध इन नदियों पर भारत को पाकिस्तान से बेहतर स्थिति में रखते हैं। भारत सरकार इन बांधों के जरिए विद्युत उत्पादन करती है और इसके साथ ही यही बांध भारत को इन नदियों में पानी रोकने और छोड़ने की क्षमता प्रदान करते हैं। आपको बता दें कि बगलिहार बांध भारत और पाकिस्तान के बीच में लंबे समय तक विवाद का कारण रहा है। पाकिस्तान ने इस बांध के निर्माण के समय विश्व बैंक से मध्यस्थता की मांग की थी। इसके अलावा पाकिस्तान को किशनगंगा बांध को लेकर भी खासकर झेलम की सहायक नदी नीलम पर इसके प्रभाव के कारण आपत्ति है। भारत से पाकिस्तान की तरफ बहनें वाली यह नदियां दोनों देशों की जीवन रेखाएं मानी जाती हैं क्योंकि इनके मैदानों में रहने वाले लोग खेती के लिए पूरी तरह से इन नदियों पर ही निर्भर हैं। भारत भी शुरुआत से ही इस बात को समझकर पाकिस्तान को ज्यादा मात्रा में ही पानी उपलब्ध करवाता रहा है। सिंधु जल संधि में भी नदियों पर ज्यादा नियंत्रण होने के बाद भी भारत ने पाकिस्तान को पानी देने की बात मानी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार के सब्र का बांध टूट गया और सरकार ने सिंधु जल संधि को निरस्त कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान की तरफ से कई नेताओं ने उल्टी-सीधी बयानबाजी करना शुरू कर दिया है। हालांकि भारत की तरफ से किसी नेता ने ऐसा बयान नहीं दिया। पहलगाम हमले के बाद भारत की तरफ से तीखी और कूटनीतिक स्ट्राइक ने पाकिस्तान को परेशान कर दिया। पूरा पाकिस्तान इस खौफ में है कि भारत कभी भी हमला कर सकता है।

## नंदा देवी एक्सप्रेस में गूंजी बच्चे की किलकारी

● कन्हैया की पत्नी पूजा बनी ट्रेन के टॉयलेट में मां

**सवाई माधोपुर (एजेंसी)।** कहते हैं कि जन्म, मृत्यु और विवाह पर किसी का जोर नहीं होता। यह कहावत सवाई माधोपुर में सच हो गई। एक महिला को चलती ट्रेन में प्रसव हो गया। महिला और बच्चा दोनों फिलहाल ठीक हैं। सवाई माधोपुर आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर जयप्रकाश बघेल ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हम्मीर पुलिया कच्ची बस्ती के रहने वाले कन्हैया अपनी गर्भवती पत्नी पूजा और तीन बच्चों के साथ थे। वे गंगापुरसिटी से नंदा देवी एक्सप्रेस ट्रेन में सवाई माधोपुर आ रहे थे। उन्होंने आगे बताया कि कन्हैया, पूजा और उनके बच्चे गंगापुरसिटी रेलवे स्टेशन से ट्रेन के एसी कोच नंबर बी 8 में बैठे थे।

जैसे ही ट्रेन स्टेशन से चली, पूजा को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। ट्रेन ने जैसे ही गति पकड़ी, पूजा को दर्द होने लगा। पूजा ने कन्हैया को बताया कि उसे प्रसव पीड़ा हो रही है।

## दिल्ली से इजरायल जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट हुई डायवर्ट

### मिसाइल अटैक के बीच अबू धाबी की तरफ घुमा दिया प्लेन

**नई दिल्ली (एजंसी)।** राजधानी दिल्ली से इजरायल जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को अचानक अबू धाबी की तरफ डायवर्ट करना पड़ा। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि तेल अवीव के एयरपोर्ट के पास मिसाइल अटैक हुआ था। बताया जा रहा है कि प्लेन दिल्ली वापस लौटेगा। दरअसल, फ्लाइट एआई 139 बोइंग 787 फ्लाइट अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही थी, तभी अचानक निर्धारित लैंडिंग से लगभग एक घंटे पहले यह घटना घटी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक विमान दिल्ली वापस लौटेगा। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा से संकेत मिल रहा है कि विमान के जॉर्डन के हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने के दौरान डायवर्जन का निर्णय लिया गया था। पूरा वाकया (4 मई) को हुआ है। इस घटना के देखते हुए रविवार को तेल अवीव से दिल्ली के लिए निर्धारित वापसी की उड़ान रद्द कर दी गई है। एयर इंडिया ने अभी तक इस घटना के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

## नेवी के बाद एयरफोर्स चीफ से मिले पीएम मोदी

● पहलगाम में तनाव के बीच भारत कर रहा बड़ी प्लानिंग ● पाकिस्तान के खिलाफ अब फुल ऐक्शन की है तैयारी!

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पहलगाम मसले पर तनाव के बीच रविवार को एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि इसमें वायुसेना के बड़े अधिकारी भी शामिल हैं। पाकिस्तान से खींचतान के बीच इस मीटिंग को अहम माना जा रहा है। इससे पहले, शनिवार को नेवी चीफ एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने पीएम से मुलाकात की थी। इससे पहले, शनिवार को नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने शनिवार को पीएम मोदी से उनके लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर मुलाकात की थी। एयर फोर्स चीफ और पीएम मोदी की यह मुलाकात कुछ दिन पहले हुई उस बैठक के बाद हुई है, जिसकी अध्यक्षता खुद प्रधानमंत्री मोदी ने की थी। उस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी शामिल थे। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी उस मीटिंग में मौजूद थे। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के एक दिन बाद कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक हुई।

इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। सरकार ने आतंकवाद को कुचलने के लिए भारत के राष्ट्रीय संकल्प को दोहराया है। सरकार ने कहा है कि आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों और साजिशकर्ताओं को कड़ी सजा मिलेगी। सरकार ने सशस्त्र बलों को भारत की प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्यों और समय पर निर्णय लेने के लिए पूरी तरह से ऑपरेशनल फ्रीडम दे दी है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। विपक्षी दलों ने सरकार द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ की जाने वाली किसी भी कार्रवाई के लिए पूरा समर्थन दिया है। सीसीएस को जानकारी देते हुए बताया गया कि आतंकी हमले के तार सीमा पार से जुड़े हुए हैं। यह भी बताया गया कि यह हमला जम्मू और कश्मीर में सफल चुनाव होने और आर्थिक विकास की ओर बढ़ने के बाद हुआ है। सरकार ने पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करने के लिए कड़ा संदेश देने के लिए कई कदम उठाए हैं।

## भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित

- कर्दम ऋषि के पावन भूमि कोडरमा में हुआ शपथ ग्रहण समारोह।
- उप्र के अशोक पांडेय राष्ट्रीय अध्यक्ष, मप्र से डॉ.नवीन आनंद महासचिव निर्वाचित।
- प0 बंगाल से एस एस नसरीन बनी राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ।
- उत्तराखंड के गिरीधर शर्मा बने राष्ट्रीय संगठन सचिव।
- बिहार से संजीव जायसवाल बने राष्ट्रीय प्रवक्ता।

**नई दिल्ली/कोडरमा**

देश के सबसे बड़े पत्रकार संगठन भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ की वर्ष 2025-27 की नवीन राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। इस नई कार्यकारिणी में उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक विश्ववार्ता के प्रधान संपादक अशोक पांडेय को राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है, जबकि मध्य प्रदेश के दैनिक लोकसत्य के स्थानीय संपादक डॉ. नवीन आनन्द जोशी को राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अन्य प्रमुख नियुक्तियों में पश्चिम बंगाल की सुश्री एस एस नसरीन को कोषाध्यक्ष, उत्तराखंड के गिरीधर शर्मा को संगठन सचिव बनाया गया है। केरल के वरिष्ठ पत्रकार सुरेश एस. उन्नीथन तथा आंध्र प्रदेश के राघवेंद्र मिश्रा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में

जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रीय सचिव पदों पर झारखंड के चंदन मिश्रा, तमिलनाडु के पी. थंगमणि, कर्नाटक के श्रीकांत कानिटकर , मप्र की श्रीमती रोमा मल्होत्रा को नियुक्त किया गया है। संयुक्त सचिव के रूप में उत्तर प्रदेश के शिबू निगम और जयद बाजपेई को मनोनीत किया गया। शपथ ग्रहण समारोह कर्दम ऋषि के पावन भूमि कोडरमा(झारखंड) में भव्य आयोजन के साथ संपन्न हुआ, जहां नवगठित कार्यकारिणी के सदस्यों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली।

**बैठक में देशभर के राज्यों के लिए कार्यभार वितरण भी किया गया। प्रमुख प्रभार इस प्रकार रहेः**

**पश्चिम बंगाल व छत्तीसगढ़** – गिरीधर शर्मा,

**राजस्थान व गुजरात** – डॉ. नवीन आनन्द जोशी

**बिहार व झारखंड** – चंदन मिश्रा

**उत्तराखंड** – गायत्री चंद्रवीर व एस के चौहान

**केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु** – सुरेश उन्नीथन

**आंध्र प्रदेश व तेलंगाना** – वीरभद्र राव,

**हरियाणा** – नवीन पांडे व अमित गुप्ता,

**पंजाब** – इंदु बंसल (हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष)

**जम्मू-कश्मीर व असम** – सुश्री एस एस नसरीन

**गोवा व महाराष्ट्र** – श्रीकांत कानिटकर

**मध्य प्रदेश** – संजय पांडे

**हिमाचल प्रदेश** – डॉ. अरुण सक्सेना (मध्य प्रदेश अध्यक्ष)

संघ के संस्थापक शाहनवाज हसन को पत्रकारों के कल्याण के लिए गठित कोऑपरेटिव सोसाइटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है, जो मल्टीपल कोऑपरेटिव के निदेशक मंडल का गठन

करेंगे। साथ ही मप्र के अभय सुराणा को राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी,झारखंड के संजीव समीर को सह मीडिया प्रभारी तथा बिहार के संजीव जायसवाल को राष्ट्रीय प्रवक्ता , मप्र के कमल आलोक प्रसाद को सहप्रवक्ता नियुक्त किया गया है। संगठन के विधिक मामलों की देखरेख के लिए जगदीश सलूजा, अनुज पांडे, और कुशल पाल सिंह चौहान को लीगल प्रभारी नामित किया गया है। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष अशोक पांडेय ने कहा कि संगठन पत्रकारों की आवाज़ को सशक्त बनाने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

## समस्तीपुर व जयनगर से उधना के लिए चलेगी समर स्पेशल

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** गर्मी की छुट्टी को देखते हुए रेलवे ने शनिवार को उधना से समस्तीपुर और जयनगर के बीच एक-एक समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। पूमरे के सीपीआरओ सरस्वती चंद्र ने बताया कि मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर के रास्ते 09096/70 उधना-समस्तीपुर समर स्पेशल का परिचालन होगा। यह ट्रेन 3 से 31 मई के बीच प्रत्येक शनिवार को उधना से चलकर रविवार देर रात मुजफ्फरपुर पहुंचेगी। वहीं 09070 समस्तीपुर-उधना स्पेशल 5 मई से 2 जून के बीच प्रत्येक सोमवार को समस्तीपुर से खुलेगी। सीपीआरओ ने बताया कि इसके अलावा दरभंगा-समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर के रास्ते 09067/68 उधना-जयनगर-उधना स्पेशल का परिचालन 4 से 25 मई के बीच प्रत्येक रविवार को उधना से होगा। 09068 जयनगर-उधना स्पेशल 5 से 26 मई के बीच यह प्रत्येक सोमवार को जयनगर से चलेगी।

## बेगूसराय में घर से बुलाकर युवक को मारी गोली

- घर से 100 मीटर की दूरी पर वारदात
- सिर और जांघ में लगी बुलेट

**बेगूसराय, एजेंसी।** बेगूसराय के बखरी इलाके में अपराधियों ने घर से बुलाकर एक युवक को गोली मारी दी। वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। परिजनों ने युवक को अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर बनी हुई है। घटना राटन बभाइन गांव की है। घायल की पहचान बभाइन निवासी राजो पासवान के पुत्र नीतीश कुमार (28) के तौर पर हुई है। परिजनों ने बताया कि शनिवार रात को किसी ने फोन करके बुलाया। घर से 100 मीटर की दूरी पर 6 बदमाश मौजूद थे। तीन बाइक से पहुंचे थे। नीतीश को देखते हुए बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू क दी। एक गोली सिर में और दूसरी गोली जांघ में लगी। जमीन पर गिरते ही बदमाश भाग निकले। गोलीबारी की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े। बेहोशी की हालत में जमीन पर छटपटा रहा था। जिसके बाद परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। फिलहाल घटना का कारण कुछ भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। परिजन स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं बता रहे हैं। जबकि गांव में तरह-तरह की चर्चा है। कुछ लोगों का कहना है कि शराब के कारोबार में गोली मारी गई है, तो कुछ लोगों का कहना है कि प्रेम-प्रसंग में वारदात को अंजाम दिया गया है।

## बिहार चुनाव से पहले बोले मुकेश सहनी

- चिराग को भी एक नसीहत

**चंपारण , एजेंसी।** विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने महात्मा गांधी की कर्मभूमि चंपारण में घोषणा करते हुए कहा कि यहां की अधिकांश सीटों पर हमारी पार्टी चुनाव लड़ेगी और जीतेगी। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस बार तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनना तय है। निषाद आरक्षण संकल्प यात्रा 3.0 'सरकार बनाओ, अधिकार पाओ' के तहत मोतिहारी के महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यकर्ता संवाद करते हुए वीआईपी के प्रमुख सहनी ने जोर देते हुए लोगों को अपने बच्चों को शिक्षित बनाने तथा अपने अधिकार के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस बार इस क्षेत्र से महागठबंधन की बढ़त तय है। यहां 21 में 17-18 सीट महागठबंधन जीतेगी। सहनी ने पत्रकारों से चर्चा में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को नसीहत देते हुए कहा कि ऐसा न करें कि आपका समाज ही आपको छोड़ दे। एक बयान की चर्चा कर कहा कि वे कह रहे थे कि जातीय जनगणना हो, पर रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हो। उनका यह बयान गलत है।

# गया और औरंगाबाद में आंधी-बारिश ने कहर बरपाया, नवादा में एक की मौत

**गया/औरंगाबाद/नवादा, एजेंसी।** बिहार में कुछ जगहों पर शनिवार को खराब मौसम की वजह से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। खासकर दक्षिण बिहार के जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश और कहीं-कहीं पर वज्रपात भी हुआ। गया और औरंगाबाद जिले में आंधी की वजह से कई जगहों पर पेड़ धराशायी हो गए और टीन-छप्पर उड़ गए। यहां कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हुई। नवादा जिले में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक किशोर और 5 पशुओं की मौत हो गई। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भी राज्य में आंधी-बारिश के आसार बने रहेंगे। गया शहर समेत जिले के अन्य हिस्सों में शनिवार दोपहर को मौसम बिगड़ गया। कई प्रखंडों में तेज हवाओं के साथ बारिश होने लगी। आमस में तेज आंधी से भारी नुकसान देखने को मिला। झोपड़ियों के करकट हवा में उड़ गए। इमामगंज में भी आंधी-बारिश की वजह से फसल को नुकसान पहुंचा।

### नवादा में ठनका से एक की मौत

नवादा जिले के ज्यूरी गांव में वज्रपात की चपेट में आने से एक किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान अमीरक यादव के 17 वर्षीय पुत्र शंकर कुमार के रूप में की गई है। सिरदला प्रखंड की खटांगी पंचायत के जोगी ठीका के बनियाडीह गांव में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से गौशाला में बंधे पांच पशुओं की मौत हो गई।

### औरंगाबाद में बारिश के साथ ओले भी गिरे

वहीं, औरंगाबाद जिले में शनिवार को दोपहर डेढ़ बजे के बाद मौसम में बदलाव हुआ। आंधी के साथ ही हल्की बारिश हुई। जिले भर में आंधी चली। कुछ जगहों पर छिटपुट तो कुछ जगहों पर तेज बारिश हुई। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या दो पर बरवाडीह के समीप एक साथ दो ट्रांसफार्मर गिर गए, जबकि जिले भर में 8 से 10 बिजली के पोल क्षतिग्रस्त हो गए। इससे विद्युत व्यवस्था प्रभावित हुई। जिले के दाउदनगर में बिजली की गड़गड़ाहट और चमक ने लोगों को चौंका दिया। बारिश के दौरान छोटे-छोटे ओले भी गिरे। तेज बरसात की वजह से बाजार, सड़कों और नालियों में पानी भर गया। कई जगहों पर जलनिकासी की दिक्कतें हुईं। गांवों में खुले में रखी गेहूं की भूसी पर बारिश की मार से नुकसान हुआ।

## दिल्ली सरकार के मंत्री लभुआनी महोत्सव में शामिल हुए

- पंकज सिंह बोले– राहुल गांधी गोल्डन स्पून बॉय हैं, तेजस्वी चुनाव के बाद अपनी सीटों की गणना कर लें

**आरा( भोजपुर), एजेंसी।** भोजपुर के गड़हनी प्रखंड में आयोजित लभुआनी महोत्सव में दिल्ली सरकार में मंत्री पंकज कुमार सिंह शामिल हुए। सिद्धेश्वरी शक्तिपीठ मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद सत्संग में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बिहार हमारी जन्म भूमि है। यहां जब भी आते हैं तो एक मां की गोद में आने जैसा महसूस होता है। एनडीए की सरकार बिहार में अच्छा काम कर रही है। यहां काफी बदलाव दिख रहे हैं। इस बदलाव को जनता भी मान रही है। राहुल गांधी गोल्डन स्पून बॉय हैं। वो कुछ भी कहे, उनकी बात अलग है। जैसे पूर्वांचल के लोगों ने मन बना लिया था कि भाजपा को जिताना है। उसी तरह बिहार की जनता ने भी मन बना लिया है। बीजेपी-जेडीयू की सरकार बनेगी। तेजस्वी यादव बिहार चुनाव के बाद अपनी सीटों की गणना कर लें।

दिल्ली में बदलाव दिख रहा है

पंकज कुमार ने आगे कहा कि पिछली सरकार में दिल्ली का हाल बेहाल हो गया था। सिर्फ झूठ बोला गया। अगर दिल्ली के अस्पताल उस समय अच्छे तो केजरीवाल ने खांसी का इलाज जिंदल में जाकर क्यों करवाया। हमारी सरकार जब से आई है, दिल्ली में बदलाव चालू है। रोज बदलती हुई दिख रही है। सभी को अटूट विश्वास दिलाते हैं कि 100 दिन पूरे होने के बाद दिल्ली पूरी तरह बदल रही है। मैं बीजेपी का छोटा सा कार्यकर्ता हूं। पार्टी जहां भी जिम्मेदारी देगी, हम उस काम को करेंगे। 11 साल की आपदा की सरकार को झूठा साबित करने का काम करेंगे। यमुना इस बार छठ महापर्व में पूरी तरह से साफ हो जाएगी। जीत के बाद दिल्ली में विकास के साथ पूरे पूर्वांचल में हर संभव काम कर रहे हैं। छठ पूजा को लेकर इस बार अलग तरह का माहौल दिखेगा। पिछली सरकार ने दिल्ली की जनता के लिए कुछ भी काम नहीं किया है।

## बालू लदे ट्रक-स्कॉर्पियो में टक्कर, दो की मौत

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। सीतामढ़ी के महिंदवाड़ा थाना इलाके में रामपुरहरि पुल के पास शनिवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे बालू लदे ट्रक और स्कॉर्पियो में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में स्कॉर्पियो पर सवार उसके चालक और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर रामपुरहरि थाना अध्यक्ष सुजीत कुमार मिश्रा दलबल के साथ पहुंचे। महिंदवारा थाने की पुलिस भी आई। स्कॉर्पियो में फंसे घायल चार लोगों को पुलिस ने बाहर निकाला और इलाज के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। वहीं, घटनास्थल पर ही मरे स्कार्पियो चालक और उसमें सवार महिला के शव को महिंदवाड़ा पुलिस ने जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रामपुरहरि थानाध्यक्ष ने बताया घटना महिंदवाड़ा थाना इलाके में पड़ता है। सीतामढ़ी की ओर से स्कॉर्पियो आ रही थी। सभी लोग पटना जा रहे थे।

मुजफ्फरपुर की ओर से बालू लदे ट्रक तेजी में आई और ओवरटेक करने के चक्कर में स्कॉर्पियो से आमने-सामने की टक्कर हो गई। स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त होकर ट्रक के नीचे फंस गई। इसमें दबे दो लोगों की मौत हो गई।

## बिहार के 19 जिलों में आंधी, बारिश-बिजली का यलो अलर्ट, 8 मई के बाद बढ़ेगी गर्मी

### 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी हवा

**पटना, एजेंसी।** मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने आज यानी रविवार को बिहार के 19 जिलों में तेज आंधी, बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी की है। इस दौरान हवा की रफ्तार 30-40 किमी प्रति घंटा रहने का अनुमान है। वहीं पिछले 24 घंटे के दौरान गया और औरंगाबाद जिले में आंधी की वजह से कई जगहों पर पेड़ गिर गए। यहां कुछ जगहों पर ओले भी गिरे। नवादा जिले में वज्रपात से एक किशोर और 5 पशुओं की मौत हो गई। 8 मई से बिहार में फिर एकबार तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

### लोगों के लिए चेतावनी जारी

मौसम विज्ञान केंद्र ने साफ तौर पर कहा है कि यह मौसम स्थितियां जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचा सकती हैं। खासकर खेत में काम करने वाले मजदूर, खुले क्षेत्रों में काम करने वाले लोग और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लागों को सतर्क रहने की जरूरत है।

**खुले में नहीं रहें:** आंधी और वज्रपात के समय खुले स्थानों, खेतों या पानी के निकट न जाएं।

**पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहें:** तेज हवा और बिजली गिरने की स्थिति में इनसे खतरा बढ़ जाता है।

**इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से सावधानी बरतें:** आंधी के समय घर में टीवी, मोबाइल चार्जर जैसे उपकरणों का प्रयोग सीमित करें।

### आपदा प्रबंधन को रखा गया अलर्ट मोड पर

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को अलर्ट पर रखा गया है। सभी जिलों में प्रशासन को चौकस रहने, क्रिक रिस्पॉन्स टीम्स को तैयार रखने, आवश्यकतानुसार राहत और बचाव दलों को सक्रिय करने के निर्देश दिए गए हैं। बिजली सप्लाई और संचार नेटवर्क की निगरानी के लिए स्पेशल टीमों की तैनाती की जा रही है।

# छत से घुसे, वृद्ध दंपती को कमरे में किया बंद नवादा में 3 लाख के जेवर-नकदी ले उड़े चोर?

### सीढ़ी से छत पर चढ़े थे चोर

**नवादा, एजेंसी।** नवादा में शनिवार रात एक बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। रामाशीष सिंह उर्फ लाटो सिंह के घर में चोर छत के रास्ते घुसे। इसके बाद उन्होंने वृद्ध दंपती को एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद चोरों ने दूसरे कमरे में रखी अलमारी-बक्से तोड़कर नकदी और कीमती जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने 45 हजार रुपये नकद के साथ करीब 2 से 3 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर चुरा लिए। यह वारदात धमौल थाना क्षेत्र के अंजुनार गांव में अंजाम दिया गया।

### पुलिस चोरों की तलाश में जुटी

सूचना मिलने पर धमौल थानाध्यक्ष हिमांशु पप्पू पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए हैं। रविवार को डॉग स्क्वॉड की टीम भी जांच में शामिल होगी।

### सीढ़ी के सहारे छत पर चढ़े थे चोर

जांच में सामने आया कि चोरों ने घर की छत पर चढ़ने के लिए सीढ़ी का इस्तेमाल किया। वारदात के बाद कुछ कपड़े घर से थोड़ी दूर फेंक दिए गए थे। ग्रामीणों के अनुसार, इस गांव में पहले भी कई बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। फिलहाल, पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

# पंजाब के पूर्व सीएम ने सर्जिकल स्ट्राइक पर मांगा सबूत

**हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी।** पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाने पर बवाल थमता नहीं दिख रहा है। बिहार के मुजफ्फरपुर औराई से बीजेपी विधायक राम सूरत कुमार ने उनके बयान की कड़ी निंदा की है। हाजीपुर में उन्होंने कहा कि ऐसे लोग देशभक्त नहीं, देश के गद्दार हैं। विधायक राम सूरत कुमार ने कहा कि पहलगाम की घटना सार्वजनिक है।

### बीजेपी विधायक बोले– ऐसे लोग देश के गद्दार, जेल में डालो

उन्होंने सरकार को सलाह दी कि ऐसे बयान देने वालों पर देशद्रोह का मामला दर्ज कर जेल में डाला जाना चाहिए।

### ओवैसी के बिहार दौरे पर कटाक्ष

ओवैसी के बिहार दौरे पर दिए गए बयान का जवाब देते हुए राम सूरत कुमार ने कहा कि उनकी हैसियत नहीं कि प्रधानमंत्री उन्हें जवाब दें। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी ओवैसी को जवाब देने के लिए काफी है।

### तेजस्वी यादव पर साधा निशाना

जातिगत जनगणना पर तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए विधायक ने कहा कि जब उनके पिता केंद्र सरकार में थे, तब जनगणना करवा लेनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि तेजस्वी जाति की राजनीति तो करते हैं, लेकिन जाति का भला नहीं चाहते। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर तेजस्वी यादव अपने चेहरे पर चुनाव लड़ना चाहते हैं तो सामने आएं। दरअसल, बीजेपी एमएलए राम सूरत कुमार बिदुपुर बाजार स्थित अपने रिश्तेदार और पूर्व मुखिया खिलवत संजीव कुमार सिंह के घर औपचारिक मुलाकात करने पहुंचे थे। इसी दौरान पत्रकारों से वार्तालाप की। इस दौरान भाजपा नेता पंकज कुमार पंकज, भारतेंदु ऋतुराज सिंह और कई लोग मौजूद थे।

## पूर्णिया में करंट लगने से महिला की मौत

**पूर्णिया, एजेंसी।** पूर्णिया के चंपानगर में हाइटेंशन तार की चपेट में आने से महिला मजदूर की मौत हो गई। खेत में काम करते समय हादसा हुआ है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुआवजे की मांग की है। मृतका की पहचान रामनगर निवासी सुरेंद्र पासवान की पत्नी महारानी देवी(36) के तौर पर हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना पासवान टोला के वार्ड नंबर-5 की है। मृतका के देवर बिरेन पासवान ने बताया कि घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इस वजह से भाभी जमींदार के खेत में मजदूरी करती थी। हर दिन की तरह शनिवार को घर से 500 मीटर दूर खेत में मजदूरी करने गई थी। इस दौरान 11 हजार वोल्ट का तार टूटकर भाभी के ऊपर गिर गया। झुलसने से कुछ ही मिनटों में उनकी मौत हो गई। बिजली विभाग के कर्मियों को कॉल कर हाइटेंशन तार के टूटने की जानकारी दी गई। इसके बाद मेन लाइन काटा गया।

### बिजली विभाग को ठहराया दोषी

वहीं, पंचायत के पूर्व मुखिया अशोक पासवान ने बताया कि कुछ महीने पहले ही तार की मेंटेनेंस की गई थी। ऐसे में हाईटेंशन तार का टूटकर गिरना विभाग पर सवाल खड़ा करता है। महिला की मौत के लिए बिजली विभाग दोषी है। पीड़ित परिवार को मुआवजा मिलना चाहिए।

# किसानों की 'हीरो फसल' से खेती की नई क्रांति:बगहा का मॉडल बिहार में छाया

## एक साल में तीन फसल, चाइना-4 धान से तिगुना मुनाफा

**बगहा (बेतिया), एजेंसी।** बगहा के बांसगांव मंझरिया पंचायत में खेती के क्षेत्र में एक नई क्रांति की शुरुआत हो चुकी है। यहां के किसानों ने परंपरागत सोच से बाहर निकलते हुए खेती को एक लाभकारी व्यवसाय में बदल दिया है। अब किसान साल में तीन-तीन फसलें उगा रहे हैं, जिसमें दो बार धान और एक बार गेहूं की खेती शामिल है। यह सब संभव हुआ है कुछ प्रगतिशील किसानों की सोच और मेहनत से, जिन्होंने पूरे इलाके में कृषि क्रांति उदाहरण पेश किया है।

### 'चाइना-4' धान की खेती से मिला लाभ

नवीन शुक्ला, पवन पांडे, आद्या सहनी और छोटू यादव जैसे किसानों की अगुवाई में करीब 30 से 40 एकड़ भूमि पर गरमा सीजन की 'चाइना-4' धान की खेती की गई। यह खास किस्म महज 80-90 दिनों में पक जाती है और प्रति एकड़ 18-20 क्विंटल तक उपज देती है। कम समय, कम खर्च और बेहतर मुनाफे के कारण यह फसल किसानों की पहली पसंद बन गई है।

### खाली खेतों को मिला नया जीवन

जहां पहले खरीफ और रबी सीजन के बीच खेत खाली पड़े रहते थे, अब उस खाली समय का भी बेहतर उपयोग हो रहा है। किसान गेहूं-धान की फसलों के बीच एक और फसल लेकर खेतों की उत्पादकता तीन गुना कर रहे हैं।

### जैविक खाद से उर्वरता में इजाफा

कटाई के बाद चाइना-4 की जड़ों को खेत में ही जोतकर जैविक खाद में बदला जा रहा है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है। इससे न केवल अगली फसल को पोषण मिलता है, बल्कि रासायनिक खाद पर निर्भरता भी घट रही है।

### गन्ना को पछाड़ 'चाइना-4' बनी हीरो फसल

कभी इस क्षेत्र में गन्ना को नगदी फसल माना जाता था, लेकिन अब उसकी जगह चाइना-4 धान ने ले ली है। तेजी से तैयार होने और बेहतर मुनाफे ने इसे किसानों की 'हीरो फसल' बना दिया है। इन प्रगतिशील किसानों ने यह साबित कर दिया है कि सही तकनीक, आधुनिक सोच और आपसी सहयोग से खेती में बदलाव संभव है। बगहा का यह मॉडल अब पूरे बिहार के किसानों को नई दिशा दिखा रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### आदापुर में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन

**बीएनएम। मोतिहारी।** जिले के आदापुर प्रखंड क्षेत्र के औरैया पंचायत स्थित लालाछपरा गांव में रविवार को महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें हिस्सा लेने आई स्थानीय आरओ सह कार्यक्रम के नोडल पदाधिकारी अदिति राय ने महिलाओं के सर्वांगीण विकास के प्रति संकल्पित बिहार सरकार के इस अनूठे पहल से महिलाओं को अवगत कराई। इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं को जागरुक कर उनके अधिकारों एवं उनके दायित्वों का बोध कराने के साथ-साथ उनके विकास में भागीदारी को सुनिश्चित करना है। साथ ही बिहार सरकार की योजनाओं से वंचित लाभुकों को चिन्हित कर उनका ऑनलाइन डाटा तैयार कर सरकार को भेजने की कवायद जारी होने की बात कही गई। जैसे आवास योजना, समूह लोन एवं सरकारी योजनाओं से वंचित महिलाओं पर विशेष फोकस किया जा रहा है। अदिति कुमारी के द्वारा संवाद स्थापित कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में आवश्यक गतिविधियों की जानकारी दी गई। उनके स्किल डेवलपमेंट एवं उनके रहन-सहन और तरीके से लेकर उनके स्वावलंबन से संबंधित जानकारियां साझा की गई। वहीं महिलाओं ने जीविका भवन का निर्माण कराने, सामुदायिक शौचालय का निर्माण, उच्च शिक्षा की व्यवस्था कराने आदि की मांगे रखी। मौके पर जीविका समूह के अन्य महिलाओं के अलावा कर्मियों की उपस्थिति रही।

### थानेदार ने नही सुनी महिला की शिकायत,लोक शिकायत निवारण ने थानाध्यक्ष पर लगाया जुर्माना

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के पहाड़पुर थाना में एक महिला की शिकायत नही सुनने व गलत लोगों पर एफआईआर दर्ज करने के गंभीर मामले को लेकर जिला लोक शिकायत निवारण कार्यालय ने कारवाई की सिफारिश की है। लोक शिकायत कार्यालय ने थानाध्यक्ष पर 5,000 के जुर्माने की अनुशंसा की है। उल्लेखनीय है,कि पहाड़पुर के सरैया बरवा गांव की निवासी प्रभावती कुंवर ने थाने में शिकायत दी थी कि कुछ भू- माफियाओं ने उनकी जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया है और विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई। महिला ने पहाड़पुर थाने में दिए आवेदन में जिन लोगों के नाम बताए थे, उन पर केस दर्ज करने के बजाय थानेदार ने किसी और के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी,जिनका इस विवाद से कोई लेना-देना नहीं था। महिला को इसकी जानकारी एफआईआर की प्रति मिलने के बाद हुई तो वह पूछताछ के लिए थाने गई, लेकिन वहां किसी ने उसकी बात नहीं सुनी। इसके बाद महिला ने न्याय की गुहार लगाते हुए जिला लोक शिकायत निवारण कार्यालय में शिकायत दर्ज करवाई। जिसकी सुनवाई के दौरान कई बार थानाध्यक्ष को नोटिस भेजा गया, लेकिन वह एक बार भी उपस्थित नहीं हुए। यहां तक कि एसपी की ओर से भी थानाध्यक्ष को कोर्ट में उपस्थित होने के लिए पत्र भेजा गया, लेकिन उसका भी कोई असर नहीं हुआ। जिसके बाद जिला लोक शिकायत निवारण कार्यालय ने इस लापरवाही को गंभीर मानते थानाध्यक्ष पर 5,000 का जुर्माना लगाने और उनके खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई के लिए एसपी व डीआईजी को पत्र भेजा है।जिसके बाद कार्य में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियो में हडकंप व्याप्त है।

### महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन

**बीएनएम। मोतिहारी।** महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में फिट इंडिया मिशन के तहत 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर "फिटनेस का डोज-आधा घंटा रोज़" जैसे प्रेरणास्पद स्लोगन के साथ विश्वविधालय के गांधी भवन से इंजीनियरिंग कॉलेज तक 5 किलोमीटर लंबी साइकिल रैली निकाली गई, जिसमें विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर लोगो को स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। रैली की शुरूआत वाणिज्य विभाग के प्रो. शिरीष मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर कर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि "साइकिलिंग न केवल एक उत्कृष्ट व्यायाम है, बल्कि यह पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का भी बेहतर विकल्प है। विश्वविद्यालय का यह प्रयास युवाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।" रैली में प्रो. शिरीष मिश्रा (वाणिज्य विभाग), प्रो. सुनील दीपक घोड़के (जनसंचार विभाग), एवं प्रो. उमेशा पात्रा (अंग्रेजी विभाग) ने प्रमुख भूमिका निभाई और पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। मौके पर बताया गया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को शारीरिक गतिविधियों के प्रति प्रेरित करना और जीवन में फिटनेस को प्राथमिकता देना है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने घोषणा की कि इस तरह के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा, ताकि विश्वविद्यालय परिसर में एक सक्रिय, सकारात्मक और स्वस्थ वातावरण का निर्माण किया जा सके।

### चैलाहां के विवेक हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा,दो गिरफ्तार

**बीएनएम। मोतिहारी।** जिले बंजरिया थाना क्षेत्र के चैलाहा चौक निवासी धरीक्षण साह के पुत्र रामसूरत कुमार उर्फ विवेक कुमार नामक युवक की हत्या मामले का पुलिस ने उद्भेदन करते हुए हत्याकांड में शामिल दो अभियुक्तो को गिरफ्तार किया है,जिसकी पहचान बंजरिया थाना क्षेत्र के सिंघिया हीबन माईस्थान निवासी मथुरा राम के पुत्र मुन्ना राम व सुगौली थाना क्षेत्र के चिकनौटा गांव निवासी रमेश राम के पुत्र गोलू राम के रूप में की गई है। उल्लेखनीय है,कि बीते 16 अप्रैल 2025 को एनएच 28ए भूतई माई मंदिर मोड़ पुल के समीप पुलिस ने झाड़ी में फेका एक अज्ञात शव बरामद किया था। जिसकी पहचान चैलाहां चौक निवासी रामसूरत उर्फ विवेक के रूप सत्यापित किया गया। परिजन ने बताया कि वह 13 अप्रैल 2025 की शाम 07:30 बजे घर से कहीं गया था,फिर वापस नहीं आया।घटना को लेकर परिजनो की तहरीर पर बंजरिया थाना पुलिस ने अज्ञात अपराधियों के विरूद्ध मामला दर्ज किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर शिवम धाकड़ एएसपी सदर 1 के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। जिसके बाद टीम ने अनुसंधान के क्रम में तकनीकी साक्ष्य के आधार पर दोनो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने इनके निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त गमछा और शव को ले जाने में प्रयुक्त एक टोटो को भी बरामद किया है।वही इस घटना को लेकर बंजरिया थाना द्वारा अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

# गुणवत्ता के साथ बेहतर सड़क का निर्माण हमारी प्राथमिकता: मंत्री

**बीएनएम। मोतिहारी**

मंत्री पथ निर्माण विभाग, बिहार सरकार नितिन नवीन ने रविवार को शहर स्थित सर्किट हाउस (परिसदन) के सभा कक्ष में पथ निर्माण विभाग, पुल निर्माण निगम, एनएच एवं एनएचएआई के क्षेत्रीय पदाधिकारी के साथ बैठक कर पथ निर्माण कार्य के प्रगति की समीक्षा की गई। मंत्री नितिन नवीन ने विभागीय अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा के उपरांत अतिथि गृह के सभागार में प्रेस को संबोधित करते उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं की प्रगति की आज समीक्षा की गई है जिसमें जिला के ढाका के बलुआ-गुआबारी में लाल बकेया नदी पर बनने वाले डैम, बूढ़ी गंडक की योजना जो अभी 70 करोड़ व पहले 72 करोड़ की है जिसकी निविदा की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। मेहसी-चकिया के बीच आरओबी के निर्माण की निविदा अगले सप्ताह शुरू होने वाली है। समीक्षा के क्रम में सभी सड़कें का संधारण जो जिले में विभिन्न डिवीजन में ऐसे सड़कें 400-450 किलोमीटर है। जिसके निर्माण का पैकेज चल रहा है। सभी पथों के मेंटेनेंस की हिस्ट्री लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त से पूर्व सभी का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। चकिया एनएच 27 चौड़ीकरण के कार्य के लिए 50 करोड़ एवं केसरिया नरहा नरवाड़ा सड़क का निर्माण 45 करोड़ की बहुत जल्द स्वीकृति दी जाएगी। वहीं पथ निर्माण मंत्री ने कहा कि मोतिहारी-तुरकौलिया-गोविंदगंज सड़क के लिए अभियंता से डिटेल मांगा गया है। जिसके बाद विभाग से स्वीकृति दी जाएगी। बलुआ-रघुनाथपुर सड़क तीन किलोमीटर तक चौड़ीकरण के साथ डिवाइडर लगाया जाएगा। अरेराज-हरसिद्धि-छपवा सड़क का चौड़ीकरण किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि पथ निर्माण विभाग बिहार के विकास में दर्पण का कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि जनता को पूरी तरह संतुष्ट किया जाए। हम गुणवत्ता के साथ बेहतर सड़क दे पाए इसका प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेहसी प्रखंड के अंतर्गत इब्राहिमपुर पुल का निर्माण कार्य इस वर्ष शुरू हो जाएगा। इस अवसर पर अरेराज मंदिर परिसर, आरसीसी पुल व सड़क की समीक्षा की गई है। यहां पर नाला निर्माण, सड़क चौड़ीकरण सहित 125 योजनाओं में कई को स्वीकृत किया गया है। चकिया एनएच से चकिया बाजार मथुरापुर कल्याणपुर सड़क का चौड़ीकरण, मोतीझील के बगल में 24 करोड़ की लागत से बन रही सड़क का निरीक्षण किया गया। मजूराहा पुल 14 करोड़ की लागत से बनेगा। मोतिहारी में बरियारपुर चीनी मिल एनएच सड़क का चौड़ीकरण, गायत्री मंदिर तक पेवर ब्लॉक, मैरीन ड्राइव जाने के लिए रोइंग क्लब से एनएच तक सड़क का चौड़ीकरण, छतौनी चौक से आर्यसमाज चौक तक सड़क का चौड़ीकरण, मठिया चौक पर जलजमाव का निराकरण किया जाएगा। उक्त बैठक में स्थानीय सांसद राधा मोहन सिंह, विधायक प्रमोद कुमार, विधायक पिपरा श्याम बाबू प्रसाद यादव, विधायक सुनील मणि तिवारी, प्रबंध निदेशक बिहार राज्य पुल निर्माण निगम शीर्षत कपिल अशोक, उपमहापौर लाल बाबू गुप्ता, नगर आयुक्त नगर निगम मोतिहारी सौरभ सुमन, सदर एसडीओ श्वेता भारती सहित पथ निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल मोतिहारी/ढाका, वरीय परियोजना अभियंता पुल निर्माण निगम, परियोजना निदेशक एनएचएआई एवं सांसद प्रतिनिधि बेतिया सहित अन्य विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

### एंबुलेंस से हरपुर बरवा चौक से 78 किलो गाजा जब्त, तस्कर गिरफ्तार

**बीएनएम। मोतिहारी**

जिले के आदापुर क्षेत्र से हरपुर पुलिस ने रविवार को अधिक मात्रा में गाजा बरामद किया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के बरवा पेट्रोल पंप के समीप पुलिस ने एंबुलेंस से अतिप्रतिशोधित 78 किलो गांजा (मादक पदार्थ) बरामद किया है, साथ ही एंबुलेंस चालक को अभिरक्षा में लेकर गहन पूछताछ की, जिसके निशानदेही पर रक्सौल पुलिस के सहयोग से हरदिया गांव स्थित एक कबाड़ की दुकान पर छापेमारी में पुलिस ने पुनः 80 किलो गांजा बरामद की। जिसको लेकर हरपुर एवं रक्सौल थाना में अलग अलग प्राथमिकी दर्ज हुई है। हरपुर थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि उक्त कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर रक्सौल घोड़ासहन केनाल पथ के बरवा चौक पर की गई। इसी क्रम में एक एंबुलेंस वाहन को रोककर जांच की गई, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर01पीएल/2205 है। इसमें रखे गए 78 किलो गांजा के साथ चालक मुजफ्फरपुर जिला के मनियारी थाना के मनियारी निवासी अरविन्द कुमार ठाकुर के पुत्र आशुतोष कुमार को गिरफ्तार किया गया। वहीं रक्सौल के कबाड़ संचालक जाकिर खान एवं कादिर खान दोनों पिता नथु खान को गिरफ्तार कर पुलिसिया कार्रवाई जारी है। पुलिस सूत्रों की मानें तो एंबुलेंस चालक इसके पूर्व भी अपने वाहन में गांजा का खेप रखकर तस्करी का काम करता रहा है। पूछताछ में चालक ने इस गांजा की खेप को रक्सौल से लेकर बैरगनिया जा रहा था। इधर पुलिस के इस कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप व्याप्त है।

### मेहसी में लीचीपुरम उत्सव समिति की बैठक संपन्न

**बीएनएम। मेहसी/मोतिहारी**

विकास और सामाजिक सरोकारों को समर्पित संस्था लीचीपुरम उत्सव समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को मोहब्बत छपरा स्थित सत्याश्रम में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सुधीर कुमार सिन्हा ने की, जबकि संचालन महासचिव सुदिष्ट नारायण ठाकुर द्वारा किया गया। समिति के कोर ग्रुप की इस बैठक में सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जो क्षेत्रीय उन्नति, कृषि विकास, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सांस्कृतिक समृद्धि को नया आयाम देंगे। बैठक में सर्वप्रथम लीची अनुसंधान केंद्र, मुसहरी (मुजफ्फरपुर) के सहयोग से लीची के वैज्ञानिक विकास हेतु एक विशेष कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। यह कार्यशाला किसानों को नई तकनीक, रोग नियंत्रण, और लीची उत्पादन को व्यावसायिक स्तर पर बढ़ाने की दिशा में प्रशिक्षित करेगी। वहीं, जिला प्रशासन के सहयोग से जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) एवं चमकी बुखार जैसी गंभीर बीमारियों के रोकथाम हेतु एक व्यापक प्रचार-प्रसार और जन-जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय भी लिया गया। यह कार्यक्रम विशेषकर बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर संचालित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, समिति के शिष्ट मंडल के सदस्य कृषि विज्ञान केंद्र का दौरा करेंगे, जहां से फलदार और औषधीय पौधों को चिह्नित कर उन्हें सरकारी सहयोग से मेहसी परिक्षेत्र के किसानों के बीच वितरित किया जाएगा। यह प्रयास क्षेत्र में हरित क्रांति लाने और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से लीचीपुरम उत्सव समिति के बैनर तले एक भव्य स्वास्थ्य शिविर के आयोजन की भी घोषणा की गई, जिससे स्थानीय जनता को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधा मिलेगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि आगामी वर्ष 2026 में आयोजित होने वाले लीचीपुरम उत्सव की तैयारी अभी से शुरू कर दी जाए। इसके लिए एक विशेष रणनीति तैयार की गई जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों, स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी और ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने की योजना शामिल है। इस बैठक में लॉर्ड बुद्धा इंटरनेशनल स्कूल वैशाली के निदेशक कृष्ण कुमार के द्वारा लीची उत्सव कार्यक्रम में सराहनीय भूमिका रही है। इसके लिए समिति ने कृष्णा कुमार को समिति ने आभार प्रकट किया है। उक्त बैठक में समिति के संरक्षक सत्यदेव राय आर्य, अध्यक्ष सुधीर कुमार सिन्हा, महासचिव सुदिष्ट नारायण ठाकुर, राकेश पाठक, चंद्रभूषण कुशवाहा, शंकर कुशवाहा, मनोज कुमार, संजय कुमार सिंह, मनोज मेहसवी, हामिद रजा, सफी अहमद खान, डॉ. मनोज कुमार, दीपक कुमार गुड्डू, मोहम्मद कादिर सहित अन्य सक्रिय सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद थे।

### समाज सेवा का बढ़िया प्लेटफार्म है रोटरी क्लब व रोटरी लेक टाउन- विपिन चाचान

#### जिलापाल विपिन चाचान ने रोटरी बोर्ड का किया उद्घाटनः अरविंद सर्राफ

**बीएनएम। मोतिहारी**

शहर के एक निजि होटल परिसर में रोटरी 3250 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विपिन चाचान के आधिकारिक दौरे को लेकर रोटरी क्लब व रोटरी लेक टाउन की ओर से संयुक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता रोटरी क्लब के अध्यक्ष डॉ. विवेक गौरव ने की, जबकि संचालन सचिव अरविंद सर्राफ ने किया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विपिन चाचान ने अपने संबोधन में रोटरी की दोनों संस्थाओं की आयोजित संयुक्त कार्यक्रम को मिशाल बताया। कहा कि रोटरी की कई विंग हैं। ऐसा कम ही देखने को मिला है, जब किसी भी संस्था की दो विंग एक साथ संयुक्त कार्यक्रम का आयोजन कर रही हो। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारी व सदस्यों को रोटरी के कार्य और जिम्मदारियों को विस्तार पूर्वक बताया। कहा कि रोटरी समाज सेवा का बढ़िया प्लेटफार्म है। इसकी जानकारी आम जनों तक पहुंचाना रोटरी के सदस्यों की जिम्मेदारी है। सिर्फ काम करने से रोटरी सदस्यों की जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती, बल्कि उस कार्य के बारे में आम जनता को अवगत कराना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। श्री चाचान ने कहा कि हर रोटेरियन में समाज को सकारात्मक दिशा देने की क्षमता है। रोटरी अपने सदस्यों को प्रेरित करता है कि वह दुनिया में सकारात्मक परिवर्तन लाए। सेवा के प्रति प्रतिबद्ध रहे व चुनौतियों को अवसर में बदलें। पूर्व जिला पाल संजीव ठाकुर ने अपने संबोधन ने संस्था को मजबूत बनाने का आह्वान किया। वहीं अध्यक्ष डॉ. विवेक गौरव ने रोटरी ने चालू सत्र में आयोजित कार्यक्रमों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। कहा कि रोटरी क्लब ने 132 दिव्यांगों का कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण किया, जो मिशाल बना। रोटरी लाइब्रेरी के तहत कई स्कूलों को गोद लिया गया। हृदय संबंधित गंभीर बिमारी से पीड़ित तीन बच्चों का ऑपरेशन कराया। अन्नपूर्णा रसोई का भी आयोजन हुआ। इसके अलावा कई कल्याणकारी कार्यक्रम हुए, जो मिशाल बन गए। इस दौरान अन्य वक्ताओं ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस सुअवसर पर रोटरी लेक टाउन के रिजनल डायरेक्टर देवप्रिय मुखर्जी, असिस्टेंट गवर्नर स्टेनलई पिल्लैय, लेक टाउन की अध्यक्ष रोहित गुप्ता, सचिव प्रियंका सरकार, रो. अभिमन्यु कुमार, कृष्णा राजगढ़िया, डॉ. अमित, डॉ. आलोक, राकेश गुप्ता, संजय जायसवाल, महेश प्रसाद, रोहित साह, मीना मिश्रा सहित बड़ी संख्या में दोनों संस्था के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। रोटरी क्लब ऑफ मोतिहारी का 5500 पौधरोपण का लक्ष्य है। अभियान अंतर्गत औषधी सहित कई फलदार वृक्ष के पौधे लगाए जाएंगे। ढाका सहित प्रखंड क्षेत्रों में पौधे लगाए गए हैं। अभियान के तहत शनिवार को टिकुलिया हराज में 50 पौधे लगाए गए। इधर, बंजरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत रोटरी का वेलकम बोर्ड का उद्घाटन हुआ। रोटरी की ओर से पांच कामकाजी महिलाओं को निःशुल्क साइकिल का भी वितरण किया।

### जीविका द्वारा किया जा रहा है महिला संवाद कार्यक्रम

**बीएनएम। मोतिहारी**

राज्य के सर्वांगीन विकास हेतु योजनाओं के निति निर्धारण में महिलाओं की भूमिका के साथ ही उनके अपेक्षाओं एवं आकांक्षाओं को स्थान देने के उद्देश्य से बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला संवाद कार्यक्रम जारी है। यह कार्यक्रम राज्य की आधी आबादी की अभिव्यक्ति की आज़ादी और उनकी परिकल्पनाओं को भी प्रदर्शित कर रहा है। राज्य सरकार के निर्देश पर जीविका के ग्राम संगठनों द्वारा 18 अप्रैल से जारी महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाएं एवं छात्राएं बिना किसी हिचक के राज्य सरकार से मिले अधिकारों का उपयोग करते हुए राज्य में महिलाओं एवं छात्राओं के लिए संचालित योजनाओं की सफलता एवं असफलता पर अपनी राय दे रही हैं। संचालित योजनाओं से मिले लाभ का बखान एवं अगर कहीं किसी योजना के सफल क्रियान्वयन में कहीं त्रुटी रह गई है तो उसे सही करने का सलाह भी दे रही हैं। पूर्वी चंपारण जिले के 27 प्रखंडो में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम के माध्यम से गाँव की महिलाएं एवं छात्राएं अपने गाँव के चहुंमुखी विकास के लिए नई मांग, इच्छाएं एवं आकांक्षाओं को सुचिवद्ध करा रही हैं। जिले के सुगौली प्रखंड के निर्मल जीविका महिला ग्राम संगठन की दीदियों ने कृषि उद्यमी केंद्र की मांग की है ताकि उनके गाँव में कृषि क्रांति लाई जा सके। कृषि उद्यमी केंद्र जीविका दीदियों द्वारा ही जिला के विभिन्न प्रखंडों में संचालित है जहाँ से किसानो को खेती से संबंधित सलाह एवं सुविधाओं के साथ कृषि यंत्र एवं खाद-बीज आदि उपलब्ध कराये जा रहे हैं। गाँव की महिलाएं वैसे ही कृषि उद्यमी केंद्र की मांग अपने गाँव के लिए कर रही हैं। घोडासहन प्रखंड के कावेरी ग्राम संगठन की दीदियों ने बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं सहित चमकी बुखार से इलाज़ एवं बचाव हेतु गांव स्तर पर स्वास्थ्य जांच शिविर लगाने का सुझाव दिया वहीँ छात्राओं द्वारा सामुदायिक बस सेवा, पुस्तकालय और स्कूटी की मांग की गयी। इसी प्रकार चिरैया प्रखंड के गणपति ग्राम संगठन, कल्यानपुर प्रखंड के माला ग्राम संगठन, संग्रामपुर प्रखंड के शिव शक्ति ग्राम संगठन सहित सभी प्रखंडों में महिला संवाद कार्यक्रम स्थल पर महिलाएं एवं छात्राएं अपनी मांगों को पुरजोर तरीके से रख रही हैं। महिला संवाद कार्यक्रम प्रतिदिन दो पालियों में जीविका ग्राम संगठनो के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। प्रति कार्यक्रम में ढाई सौ से अधिक महिलाएं एवं छात्राएं शिरकत कर रही हैं और उनके बीच से लगभग तीस इच्छाएं एवं आकांक्षाएं एप में दर्ज कराई जा रही हैं। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी एवं जब प्रतिनिधि भी उनकी मांग एवं योजनाओं को समझ रहे हैं। महिला संवाद कार्यक्रम में इच्छा एवं आकांक्षा लेने से पहले उपस्थित महिलाओं एवं छात्राओं की राज्य सरकार द्वारा महिलाओं एवं छात्राओं के लिए संचालित योजनाओं पर आधारित फिल्मे दिखाई जा रही हैं। इन फिल्मो में योजनाओ के बारे में बताया जा रहा है ताकि अगर कोई महिला एवं छात्रा अब तक लाभान्वित नहीं हुई हैं तो लाभ उठा सकें। इसके लिए लीफलेट एवं मुख्यमंत्री नितीश कुमार का पत्र भी वितरण किया जा रहा है ताकि महिलाएं एवं छात्राएं अपने अधिकारों के प्रति सजग हों और उनका मनोबल बढे। अपने अधिकारों की रक्षा और बाल विवाह उन्मूलन एवं दहेज़ मुक्त विवाह तथा अन्य सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु संकल्प भी ले रही हैं। जिले में अब तक 924 महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित किये जा चुके है जिसमे एक लाख सत्तर हज़ार से ज्यादा महिलाएं शामिल हो चूँकि है।

### "टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स" समूह से जुड़े अपर मुख्य सचिव,शिक्षा विभाग डॉ.एस सिद्धार्थ

**बीएनएम। मोतिहारी**

बिहार के शिक्षा जगत एवं शिक्षकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के फेसबुक ग्रुप के साथ एसीएस डॉ.एस सिद्धार्थ जुड़ गए हैं। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार ने कहा कि बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ सर का टीचर्स ऑफ बिहार फेसबुक ग्रुप में जुड़ना कही न कही बिहार के सरकारी विद्यालयों, शिक्षकों एवं छात्रों के हित में किये जा रहे हमारे अच्छे कार्यों को दर्शाता है। यह हम सभी शिक्षकों के लिए अत्यंत गर्व और प्रेरणा का क्षण है कि राज्य के इतने उच्च पदस्थ अधिकारी स्वयं हमारे साथ जुड़े हैं और सीधे शिक्षकों से संवाद कर रहे हैं। प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि एसीएस सर का हमारे मंच से जुड़ना एवं उनके कमेंट्स, मार्गदर्शन और उपस्थिति से न केवल शिक्षकों का मनोबल बढ़ा है, बल्कि एक सकारात्मक और उत्तरदायी शैक्षणिक वातावरण के निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम भी प्रतीत हो रहा है। टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने कहा कि "शिक्षा में सहभागिता और संवाद" की इस नई परंपरा का हम अभिनंदन करते हैं और आशा करते हैं कि यह जुड़ाव शिक्षकों और शिक्षा व्यवस्था दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

## संक्षिप्त समाचार

### बंद बोरा में मिला महिला की लाश मिली, पुलिस ने जीएमसीएच पोस्टमार्टम में भेजा

**बीएनएम। बेतिया।** पश्चिम चंपारण जिला के मझौलिया में रविवार की सुबह मझौलिया पुलिस ने शेख मंझरिया मन के पास से बोरा में बंद एक महिला के शव को बरामद किया है। इसकी शिनाख्त शेख मंझरिया पंचायत के निवासी प्रमिला देवी के रूप में की गयी है।घटनास्थल पर पहुंचे थानाध्यक्ष विश्वमोहन चौधरी ने पत्रकारों को बताया की ससुराल पक्ष के लोगों ने इसकी हत्या कर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को बोरा में बंद कर शेख मंझरिया धोबिया घाट मन मे फेंक दिया है।उन्होंने बताया कि मामले में विवाहिता के जेठ मनोज पासवान को गिरफ़्तार कर लिया गया है। पुलिस उसके पति सनोज पासवान, ससुर योद्धा पासवान और सास को गिरफ्तार करने में जुटी है।ससुराल पक्ष के लोग फरार हो गये है।एसएचओ ने बताया कि मामले में अभी कोई आवेदन प्राप्त नही हुआ है।बताते चले कि बिगत 01मई से विवाहिता लापता थी।04 मई को धोबिया घाट मन से शब बरामद किया गया।रविवार को सनोज पासवान के बहन की शादी के लिए आज कथा मटकोर है, कल बारात आनेवाली है।।घर मे मांगलिक कार्य है ,दूसरी तरफ इसी घर की बहू की लाश मिली।इस घटना से सभी आश्चर्यचकित है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस घर मे दो दो शादियां करने की प्रथा है।विवाहिता के ससुर योद्धा पासवान ने दो शादियां की है, इसके जेठ मनोज पासवान ने दो शादियां की है।विवाहिता के पति सनोज पासवान भी दो शादियां करना चाहता है।प्रमिला दूसरी शादी करने का विरोध करती थी इसलिए पति पत्नी में हमेशा झगड़ा होता था। विवाहिता के मायकेवालो का आरोप है कि पहले गला दबा कर हत्या की गई है,फिर शव को चट्टी के बोरा में कसकर दूसरे प्लास्टिक के बोरा में कसकर बीच धार में बहा दिया गया।

### हरसिद्धि में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो बाइक चोर गिरफ्तार

**बीएनएम। हरसिद्धि।** थाना क्षेत्र में शनिवार की रात पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से एक चोरी की हीरो होंडा एचएफ डीलक्स बाइक भी बरामद की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान डब्ल्यू आलम (उम्र लगभग 25 वर्ष), निवासी वार्ड संख्या 6, घीउवाढ़ार और शहाबुद्दीन, निवासी ग्राम ओल्हां, मेहता टोला, वार्ड संख्या 9 के रूप में की गई है। डब्ल्यू आलम के पिता का नाम मुमताज आलम और शहाबुद्दीन के पिता का नाम नरमुद्दीन बताया गया है। दोनों आरोपी हरसिद्धि थाना क्षेत्र के ही निवासी हैं। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की गई, जिसमें दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने बाइक चोरी की बात स्वीकार की है। बरामद बाइक की पुष्टि भी चोरी की गई बाइक के रूप में हुई है। इस छापेमारी अभियान में अपर थानाध्यक्ष मनीष राज, दरोगा अविनाश कुमार तथा पुलिस के अन्य सशस्त्र बलों की सक्रिय भागीदारी रही।

### रेलवे स्टेशन जाने वाली मार्ग पर अंधकार बना परेशानी का कारण

**बीएनएम। जमुई/झाझा।** झाझा रेलवे स्टेशन से मछली पट्टी की ओर जाने वाली सड़क पर अंधकार छाया रहता है, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। झाझा रेलवे स्टेशन से पोस्ट ऑफिस होते मछली पट्टी तक जाने वाली मार्ग इन दिनों अंधेरा में डूबा रहता है। सड़क किनारे बिजली का खम्भा लगा हुआ जिसमें लाइट भी लगी हुई लेकिन सूरज ढलते ही उक्त मार्ग अँधेकार में तब्दील हो जाता है। स्थानीय लोगों ने कई बार इस समस्या की शिकायत की, परंतु समाधान नहीं हो पाया। बताते चले कि पोस्टऑफिस के बगल में आरपीएफ का बैरक, रेलवे फिल्टर हाउस भी स्थित है और इसी मार्ग से आरपीएफ एवं जीआरपी टॉर्च की लाइट के सहारे रात्रि में आवागमन करते है। यह मार्ग न केवल रेलवे कर्मियों के लिए बल्कि आम नागरिकों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, परंतु सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे केवल शोभा की वस्तु बनकर रह गए हैं। रेलकर्मी व अन्य राहगीरों ने बताया कि अंधेरा में जहरीला जीव का खतरा सड़क पर बना रहता है। अंधेरे के कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है, खासकर शाम के समय जब मार्ग पूरी तरह अंधेरे में तब्दील हो जाता है। इस संबंध में रेलवे पावर हाउस के फोरमैन अनिल कुमार ने जानकारी दी कि कार्य की निगरानी की जा रही है और कुछ ही दिनों में पूरा मार्ग रोशन हो जाएगा। सभी खंभों पर मरम्मती कार्य कराया जा रहा है और जल्द ही वहां लाइटें जला दी जाएंगी।

### सर्जिकल स्ट्राइक पर बयान देकर कांग्रेस ने किया सेना का अपमानः मंगल पांडेय

**बीएनएम। पटना** : बिहार के स्वास्थ्य और विधि मंत्री मंगल पांडेय ने कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के हालिया बयान की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि यह भारतीय सेना के पराक्रम को अपमानित करने और पाकिस्तान के पक्ष में खड़े होने जैसा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पाकिस्तान-परस्ती एक बार फिर उजागर हो गई है।मंत्री पांडेय ने कहा कि कांग्रेस सांसद ने सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाकर सेना के मनोबल को कमजोर करने की कोशिश की है। चन्नी का यह कहना कि "आज तक नहीं पता चला कि कहां स्ट्राइक हुई थी, कितने लोग मारे गए थे," सीधे तौर पर सेना के शौर्य पर सवाल है। उन्होंने इसे कांग्रेस की सोची-समझी रणनीति बताया जो पाकिस्तान प्रेम से प्रेरित है।उन्होंने याद दिलाया कि यह बयान उस वक्त आया है जब कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया है। ऐसे समय में जब पूरा देश सेना के साथ खड़ा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्रवाई की खुली छूट दे रखी है, तब इस प्रकार का बयान बेहद निंदनीय है।मंगल पांडेय ने कहा कि कांग्रेस इससे पहले भी सर्जिकल और एयर स्ट्राइक के सबूत मांग चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस मुस्लिम और पाकिस्तान तुष्टिकरण की राजनीति के लिए देश और सेना के गौरव को दांव पर लगा रही है।उन्होंने कांग्रेस से इस बयान पर माफी मांगने और सेना का सम्मान करने की अपील की।

### भीख नहीं हिस्सेदारी चाहिए हमारे पासवान समाज को चौकीदारी चाहिए.. गुरु जी

**बीएनएम। पटना** के रविंद्र भवन में रविवार को दुसाध चेतना महासम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसे अंतरराष्ट्रीय दुसाध (पासवान) संगठन द्वारा आयोजित किया गया था। जिसमें बतौर विशिष्ट अतिथि समाजसेवी ऑल इंडिया पासवान एकता मंच के राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता वीरेंद्र पासवान उर्फ गुरु जी शामिल हुए। गुरु जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा मैं या कोई दूसरा व्यक्ति एक दो लोगों की मदद कर सकता है। लेकिन, सबको रोटी और मकान नहीं दे सकता। उसके लिए हमें परिश्रम करना होगा। परिश्रम ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा हम अपनी रोटी और जरुरत दोनों को पूरा कर सकते हैं। हमारे पासवान समाज का चौकीदारी में पूरी हिस्सेदारी होनी चाहिए हम आने वाले दिनों में वैसे युवाओं को रोजगार से जोड़ेंगे जो लोग उसके योग्य होंगे उन्हें मदद की जाएगी। सम्मेलन में रोटी कपड़ा और मकान की मांग रखते हुए सामाजिक चेतना की बात करते हुए गुरु जी ने समाज को एकजुट करने और मदद की अपील करते हुए कहा हमें और आपको राजनीतिक व जातीय बंधन को तोड़कर समाज को एकजुट करने और मदद करने वालों को आगे बढ़ाना होगा। बच्चों को शिक्षा दिलानी होगी तभी हमारा उत्थान होगा। कार्यक्रम के दौरान प्रमोद पासवान, मुखिया धर्मेंद्र पासवान,राजनारायण पासवान, दिलीप कुमार पासवान, अरविन्द पासवान, रंजीत हाजरा, अवधेश पासवान, विपिन पासवान, संजय माही, जयमाला पासवान, पिंकी पासवान,आदि लोग उपस्थित रहे।

# प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

**बीएनएम। हाजीपुर/पटना**

» हाजीपुर में आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम
» नगर थाने से महज 100 मीटर की दुरी पर घटना घटी

नगर थाना क्षेत्र के मस्जिद चौक पर अपराधियों ने दिनदहाड़े एक प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मुफ्ती मोहल्ला निवासी मो. सबीर आलम (55 वर्ष) के रूप में हुई है। वे मगरिब की नमाज अदा कर मस्जिद से बाहर निकल ही रहे थे, तभी घात लगाए बदमाशों ने बेहद करीब से उन्हें सीने में गोली मार दी और फरार हो गए।गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े और घायल सबीर को आनन-फानन में सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां से पीएमसीएच रेफर किया गया, लेकिन परिजन उन्हें शहर के एक निजी नर्सिंग होम ले गए, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं, आक्रोशित लोगों ने हाजीपुर के गांधी चौक पर आगजनी कर सड़क जाम कर दिया। मौके पर डीएम और एसपी पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया।पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। फुटेज में अपराधियों की गतिविधियां कैद हुई हैं, जिसके आधार पर उनकी पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।घटना नगर थाना से महज 100 मीटर की दूरी पर हुई है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। इस वारदात ने इलाके में दहशत फैला दी है और लोगों में पुलिस की निष्क्रियता को लेकर नाराजगी है।

## लड़की को घूमाने के बहाने किया दुष्कर्म, पुलिस ने किया गिरफ्तार

**बीएनएम। बेतिया**

पड़ोसी देश नेपाल घूमने के बहाने लड़की से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। एस एस बी की मानव तस्करी रोधक इकाई ने कार्रवाई कर, आरोपी वैशाली जिले के कटहरा थाने के चपही गांव निवासी,मुन्ना सिंह उम्र 45 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। किशोरी को मेडिकल जांच के बाद पूर्वी चंपारण बालिका गृह भेज दिया गया है। बेतिया पुलिस जिला के बलथर थानाध्यक्ष, नीतीश कुमार ने रविवार को बताया कि इस मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई। थानाध्यक्ष ने आगे बताया कि गौरोल के एक गांव की लड़की को गांव के ही विकास कुमार ने नेपाल घूमाने का झांसा देकर बुलाया था, किशोरी उसके साथ ट्रेन से निकली, रास्ते में मुन्ना सिंह के मिलने पर, विकास ने नेपाल के वीरगंज में मिलने की बात कह लड़की को ले गया। जहां पर दोनों ने उसके साथ मुंह काला किया।

## विधानसभा चुनाव में बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने की योजना

**बीएनएम। लखीसराय**

ग्रामीणों के बीच कांग्रेस ने लगाया चौपाल, दिया संदेश

लखीसराय जिले के रामगढ़ चौक प्रखंड क्षेत्र के अकौनी गांव में रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चौपाल कार्यक्रम में जिला कांग्रेस के कार्यकारी जिला अध्यक्ष अरविन्द कुमार ने ग्रामीणों को कांग्रेस पार्टी के नीति और कार्यक्रम की पूरी जानकारी दिया।इस मौक़े पर कांग्रेस के एआइसिसि के सदस्य प्रभात कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे ।कांग्रेस चौपाल में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया। मौके पर वक्ताओं ने कांग्रेस पार्टी द्वारा देश के आजादी के समय से किए गये कार्यों की विस्तार से चर्चा की गयी। चर्चा के दौरान ग्रामीणों को समझाया गया की आज देश में संगठन की स्थिति कमजोर हो गयी है। जिसकी मजबूती के लिये चौपाल कार्यक्रम किया गया हैं। जिसमें उमेश पासवान को सर्व सम्मति से प्रस्ताव लेकर रामगढ़ चौक प्रखंड के अध्यक्ष के लिए मनोनीत किया गया ।कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों के घरों पर झंडा लगाकर पार्टी के नितियों से लोगों को अवगत कराने का निर्णय लिया गया।इस मौके पर विनय कुमार,नरेश प्रसाद,सूरजभान सिंह, चुन्नू सिंह सहित अन्य कोंग्रेसी उपस्थित थे |

## अरेराज नपं में नियुक्त हुए 5 नए स्वच्छता साथी, स्वच्छता अभियान को मिलेगी नई रफ्तार

**बीएनएम। अरेराज**

अरेराज मे स्वच्छ भारत मिशन को मजबूती देने की दिशा में अरेराज नगर पंचायत ने एक अहम कदम उठाया है। दो दिवसीय साक्षात्कार प्रक्रिया के बाद नगर पंचायत ने 5 नए स्वच्छता साथियों की नियुक्ति की है, जिनमें 3 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। इन नव-नियुक्त स्वच्छता साथियों को प्रतिमाह 6,000 रुपये मानदेय मिलेगा। ये साथी नगर के विभिन्न वार्डों में जाकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे, साथ ही कूड़ा-कचरा प्रबंधन और साफ-सफाई से संबंधित गतिविधियों को भी जन-जन तक पहुंचाएंगे। नगर पंचायत को कुल 5 पदों के लिए 17 आवेदन प्राप्त हुए थे। चयन प्रक्रिया में कार्यपालक पदाधिकारी निखिल कुमार, कनीय अभियंता मानसी कुमारी, प्रधान लिपिक त्रिभुवन कुमार, स्वच्छता अभियान ब्रांड एंबेसडर विजय अमित और डाटा ऑपरेटर अजीत कुमार शामिल थे। पैनल ने प्रत्येक अभ्यर्थी से विस्तारपूर्वक साक्षात्कार लेकर उनके प्रमाण पत्रों का सत्यापन किया। नगर पंचायत के इस कदम से उम्मीद की जा रही है कि स्वच्छता अभियान को न केवल मजबूती मिलेगी, बल्कि लोगों में साफ-सफाई को लेकर नई सोच भी विकसित होगी।

## पर्यावरण संरक्षण के लिए सिंगारपुर में किया पौधारोपण

**बीएनएम। जमुई/खैरा**

साईकिल यात्रा एक विचार के सदस्यों द्वारा पर्यावरण संरक्षण जागरूकता को लेकर कई मुहिम चला रही है उनमें से हर परिसर हो हरा भरा अभियान भी चलाया जा रहा है सदस्यों द्वारा सरकारी गैर सरकारी संस्थानों एवं कई निजी परिसर को हरा भरा करने की पहल की जा रही है। इसी क्रम में आज साईकिल यात्रियों का कारवां अपने नियमित रविवारीय यात्रा के 487वें क्रम में खैरा प्रखंड के सिंगारपुर पहुंच कर सदानंद सिंह के घेराबंदी किए हुए निजी परिसर को हरा भरा करने के लिए दो दर्जन से अधिक पौधारोपण किया गया। यात्रा का नेतृत्व करते हुए रोहित कुमार ने बताया कि मंच द्वारा हर परिसर हो हरा भरा मुहिम अपने आस-पास के क्षेत्र को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने का एक अभियान बन सकता है। बढ़ते तापमान के बीच कितना भी एयर कंडीशनर और कुलर लगा लें गर्मी से निजात हरा भरा परिसर ही दिला सकता है। यदि कोई परिसर पेड़ पौधे से आच्छादित है तो तापमान में भी कमी रहेगी तो इन आधुनिक चीजों का आवश्यकता नहीं रहेगी। सदस्य कुंदन सिन्हा और अमरेंद्र नाथ शर्मा ने बताया कि यदि कार्यस्थल या घर एक हरे भरे परिसर में रहता है तो वहां के रहने वाले लोग का स्वास्थ सबसे बेहतर और स्वस्थ पाया जाता है। प्रदूषित पर्यावरण और बढ़ते तापमान से 80 प्रतिशत तक होने वाली बीमारी से मुक्ति पाया जाता इसके साथ ही अनावश्यक मानसिक तनाव से लोग मुक्त रहते है। यह सभी फायदे हमारे जीवन से सीधा जुड़ा हो इस लिए यदि कोई भी परिसर खाली हो उसे हरा भरा करने का प्रयास करना चाहिए।सदस्य विकास रंजन ने बताया कि प्रत्येक लोग नियमित रूप से पौधे लगाने या पेड़ दान करने के लिए प्रेरित करने चाहिए ताकि जो लोग पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर लोगो को मदद मिल सकें।इस अवसर पर कुंदन सिन्हा, अमरेंद्र नाथ शर्मा, पंकज कुमार, राकेश कुमार, रोहित शर्मा, बंटी कुमार, विकास कुमार रंजन, रोहित कुमार, विवेक कुमार, विशाल सिंह, सदानंद सिंह, सनोज कुमार, रितिक कुमार, विराट कुमार, आदित्य कुमार सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

## तटबंधो का एसडीएम ने किया निरीक्षण

**बीएनएम। बगहा**

बगहा अनुमंडल पदाधिकारी गौरव कुमार ने प्रखंड बगहा एक और दो के कई तटबंधों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता और प्रखंड बगहा एक और प्रखंड बगहा दो के प्रखंड विकास पदाधिकारी बिड्डू कुमार राम , बीडीओ प्रदीप कुमार और अंचलाधिकारी निखिल कुमार, सीओ नर्मदा श्रीवास्तव के मौजूदगी में सुरक्षा से संबंधित कई निर्देश बगहा एसडीएम ने दिया। प्रखंड बगहा एक के रायबारी महुअवा में और प्रखंड बगहा दो के हथियनवा तटबंध पे संयुक्त रूप से बांध का निरीक्षण कर कई दिशा निर्देश आगामी बाढ़ को देखते हुए दिया। एसडीएम ने बताया कि जिला पदाधिकारी के निर्देश पर तटबंधों का जांच किया जा रहा है। आगामी बरसात के मौसम में बाढ़ आने से पहले जल विभाग की तैयारी का निरीक्षण किया गया और कई दिशा निर्देश पदाधिकारी को दिया गया।

## प्रखंड स्तरीय बैठक आयोजित

**बीएनएम। जमुई/झाझा**

प्रखंड कार्यालय झाझा के सभा कक्ष में प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं समग्र सेवा के संयुक्त तत्वाधान में प्रखंड स्तरीय बाल विवाह मुक्त एवं शिक्षा से जुड़ाव के लिए एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड स्वच्छता प्रबंधन शक्ति सूरज ने की । बैठक में समग्र सेवा के सचिव मकेश्वर ने बैठक के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम अपने प्रखंड को बाल विवाह मुक्त तभी कर सकते हैं जब सबका साथ होगा । बाल विकास पदाधिकारी की पर्यवेक्षीका अर्चना कुमारी ने भी बैठक को संबोधित किया । बैठक में प्रखंड के पदाधिकारी के अलावा सभी पंचायत के मुखिया , विकास मित्र शामिल हुए समग्र सेवा की ओर से कार्यक्रम समन्वयक अनंदिता शर्मा , पर्यवेक्षक कुंदन कुमार , साधना कुमारी, अनिता देवी शामिल हुई।

## हंसी मानव जीवन की प्राकृतिक और अनमोल संजीवनी है :डॉ. गौरी शंकर

**बीएनएम। जमुई**

विश्व हास्य दिवस के अवसर पर मानव जीवन में हंसी का महत्व विषय पर नगर परिषद जमुई स्थित कल्याणपुर में एक परिचर्चा आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षक एवं हास्य कवि दिनेश मंडल ने की परिचर्चा कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ शिक्षक दिनेश मंडल ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस हर साल मई के प्रथम रविवार को मनाया जाता है। सबसे पहले 10 मई 1998 को भारत के मुंबई में लाफ्टर योगा मूवमेंट के जनक डॉ.मदन कपाड़िया के द्वारा मनाया गया था. हंसी जीवन की संगीत है. हंसी से बढ़कर कोई श्रृंगार नहीं है. हंसी एक जीवन शैली है, जो तन, मन और समाज तीनों के लिए अमूल्य है। यह केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकता भी है, जो यह सिखाता है कि हम हंसे और दूसरों को भी हंसाए। हंसी ठहाके के अनेक लाभ है, जो व्यक्ति के जीवन के लिए वरदान साबित हो सकता है। मुख्य वक्ता के बतौर विश्व हास्य दिवस पर हंसी के महत्व को रेखांकित करते हुए स्थानीय राजकीय महिला डिग्री कॉलेज, जमुई के अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गौरी शंकर पासवान ने कहा कि हंसी मानव जीवन की प्राकृतिक और अनमोल संजीवनी है, जो बिना किसी मूल्य के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य प्रदान करती है. यह चिंता, तनाव और अवसाद जैसी समस्याओं का सहज उपचार करती है. हंसी जीवन की कठिनाइयों में आशा की किरण बनकर व्यक्ति को आगे बढ़ाने की शक्ति देती है. हमें चाहिए कि हास्य दिवस पर सभी यह संकल्प लें कि हर दिन थोड़ी हंसी बाटेंगे। क्योंकि मुस्कान वह वक्र रेखा है, जो हर सीधी समस्याओं को हल कर सकती है.एक मुस्कान सौ गमों को भगा देती है. कहा गया है कि- "मुस्कुराइए की मुस्कुराहट जिंदगी बना देगी. गमों के बादलों को भी उम्मीदों में जगा देगी." उन्होंने कहा कि हंसी तन-मन की सबसे बड़ी महौषधि है। जहां हंसी नहीं, वहां जीवन निष्प्राण हो जाता है। मेडिकल साइंस भी मानता है कि हंसी से रक्तचाप नियंत्रित होता है। इम्यून सिस्टम मजबूत होती है,और नींद भी अच्छी आती है। हंसी ठहाके में वह जादुई शक्ति है, जो व्यायाम और ध्यान में होता है। हंसी के बहुआयामी गुण और बेनिफिट हैं, जिसका लाभ सभी उम्र के लोगों को लेना चाहिए। हंसी ठहाके में कोई रुपया खर्च नहीं है। अतः इसका लाभ लेने में कोई हर्ज नहीं है। वरीय अधिवक्ता रामचंद्र रवि ने कहा कि हंसी प्रकृति द्वारा प्रदत निःशुल्क उपहार है। हास्य सबसे बड़ा टॉनिक है। जो व्यक्ति नित्य हंसते हुए जीवन जीता है, वह चिरंजीवी होता है। हंसी के महत्व को इनकार नहीं किया जा सकता.| एसपीएस महिला डिग्री कॉलेज के प्रो.आनंद कुमार सिंह ने कहा कि हास्य व्यक्ति के लिए उपयोगी सिरप की भांति है। जो व्यक्ति हास्य रूपी सिरप को पिएगा, उसके पास रोग नहीं टिक पाएगा। अतः हास्य स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक है। सरस्वती अर्जुन एकलव्य डिग्री महाविद्यालय के इतिहास के विभागाध्यक्ष डॉ निरंजन कुमार दुबे ने कहा कि हंसी का मानव जीवन में काफी महत्व है। हंसी एक योग है, जो शरीर और मन दोनों को साधता है जहां हास्य होता है, वहां शोक कभी वास नहीं करता। मौके पर कई प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे, जिन्होंने हंसी के महत्व की वकालत वकालत की। हंसी दिवस का मुख्य उद्देश्य शांति, सामाजिक सौहार्द और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है।

# राहुल गांधी को फटकार

**न्यायपालिका से अपेक्षा उदात्त अंतरराष्ट्रीय प्रतिमानों के अनुरूप व्यवस्था देने की होती है, ताकि समाज उत्तरोत्तर लोकतांत्रिक होने की ओर अग्रसर हो सके। उससे अपेक्षा उसूलों की संकुचित परिभाषा करने की कोशिशों पर रोक लगाने की होती है। विनायक दामोदर सावरकर के लिए कथित अपमानजनक टिप्पणी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जो दायरा तय किया है, वह परेशानी का शबब है। इसलिए नहीं कि कांग्रेस नेता ने जो टिप्पणी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान की थी, वह उचित है। उस बारे में अंतिम निर्णय तो अभी न्यायालय में विचाराधीन है। मगर न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन ने जो कहा, उसका अर्थ है कि स्वतंत्रता सेनानी आलोचना से ऊपर है, भले उनके कुल योगदान के बारे में कुछ असहज करने वाले तथ्य या उनकी भूमिका के बारे में असहमत विश्लेषण मौजूद हों। खुद सर्वोच्च न्यायालय अतीत में कई विवादास्पद किताबों, फिल्मों और बयानों के सही या गलत होने संबंधी राय जताए बिना यह व्यवस्था दे चुका है कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के व्यापक दायरे में आता है। लेकिन अब उसने जो कहा है, उससे यह दायरा संकुचित हुआ है। इससे उस विवेकहीनता को बल मिलेगा, जो देश के राजनीतिक विमर्श पर हावी होता गया है। इससे उस माहौल को तर्क मिलेगा, जिसे फैलाने में तमाम राजनेताओं ने भूमिका निभाई है। इसकी मिसाल कुछ महीने पहले देखने को मिली, जब डॉ. अंबेडकर के बारे में गृह मंत्री अमित शाह की एक साधारण-सी टिप्पणी को लेकर विपक्ष ने कई दिन तक संसद नहीं चलने दी। उस टिप्पणी से अंबेडकर का अपमान हुआ है और इसके लिए शाह को माफी मांगनी होगी, यह तर्क देने वालों में तब राहुल गांधी भी थे। इस बिंदु पर यह रेखांकित करने की जरूरत है कि मान-अपमान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मुद्दों पर नजरिया अलग-अलग पक्षों की सुविधा के अनुसार तय नहीं हो सकता। बहरहाल, यह अफसोसनाक है कि राजनीतिक रुख और सामाजिक विमर्श में तय किए जाने वाले पैमानों से अब न्यायपालिका भी प्रभावित होती दिख रही है।**

# आओ परिस्थितियों से लड़कर इतिहास रचें

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर खुशियों या सकारात्मक परिस्थितियों में तो हर व्यक्ति जीवन जीनें को आतुर रहता है, परंतु सृष्टि का यह नियम है कि हमेशा ऐसा नहीं होता, जीवन का चक्र घूमते रहता है। यदि आज सकारात्मक परिस्थितियां हैं तो कल नकारात्मक परिस्थितियां भी आनी ही है !जिससे हमें मुकाबला कर आगे बढ़ना है और स्थितियों पर परिस्थितियों से निपट कर सफलता के झंडे गाड़कर इतिहास रचना है। जो ख़ुद में स्थिर होते हैं, हर परिस्थितियों से लड़ते हैं, वही अपने जीवन में इतिहास रखते हैं। क्योंकि जब हम निर्भीकता से विपत्तियों का मुकाबला करने के लिए कटिबद्ध होंगे त्योंहिं विपत्तियां दुम दबाकर भाग खड़ी होगी। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से विभिन्न विचारों को समाहित करते हुए चर्चा करेंगे आओ परिस्थितियों से लड़ कर इतिहास रचें। साथियों बात अगर हम मानवीय जीवन में परीक्षा की घड़ी की करें तो अनुकूल परिस्थितियों में तो सभी सटीकता से जीवन यापन करने और अपने आप को सुदृढ़ और सुलझा हुआ कहने लगते हैं परंतु असली व्यक्तित्व और सटीकता का पता तो तब चलता है जब विपरीत परिस्थितियों में भी स्थिरता के से मुकाबला कर उन्हें अनुकूल बनाकर इतिहास रचते हैं। असल में हमें विपरीत परिस्थितियों में हिम्मत रखना और जिंदगी में जो भी परिस्थितियां हो उसका डटकर सामना करना हमारी जिंदगी में जो भी समस्या हो उन समस्याओं का हल निकालना और उन समस्याओं का हल निकालते और लड़ते-लड़ते मर जाना बेहतर है। किसी भी समस्या से भागना नहीं चाहिए विकट परिस्थितियों में जूजते रहेंगे तो हमारी समस्याओं का हल अपने आप निकलता रहेगा और आने वाली पीढ़ी के लिए समस्याओं का निराकरण भी लाएंगे और हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए आदर्श भी बनेंगे जो लोग समस्याओं से लड़ते हैं और उसका हल निकालते हैं और डरते नहीं है, वही लोग महान हैं। साथियों बात अगर हम सटीक कहावत मानव परिस्थितियों का दास होता है और उस दास शब्द को अस्वीकार करने की करें तो, मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकलने के लिए हमें सर्वप्रथम उन वजहों को समझने का प्रयास करना चाहिए जिनके चलते ये परिस्थितियाँ पैदा हुई हैं जिसपर पर बारिकी से नजर रखते हुए सब्र के साथ परिस्थितियों का सामना करने का प्रयास करना चाहिए,जो परिस्थितियाँ हमारे बस में ना हों उनके लिए अधिक चिंतित हम ना हों । वे समय के साथ खुद ब खुद सामान्य हो जाएँगी। हर हालत में धैर्यवान बने रहकर ईश्वर अल्लाह (समय) पर भरोसा करना चाहिए।समय से बलवान कोई नहीं।चाहे कितनी भी मुश्किल परिस्थिति हो समय बीतने के साथ-साथ मुश्किल से मुश्किल परिस्थितियों को बदलकर सामान्य होते देर नहीं लगतीं।कितना भी गहन अंधकार वाली रात्रि हो कुछ पलों में सूर्योदय अवश्यंभावी है। साथियों वह नियति हो या फिर परिस्थिति कोई फर्क नहीं पड़ता और जीवन में अच्छे और बुरे दोनों वक्त आते हैं। जिस तरह से हम अच्छे वक्त को संभालना बचपन से जानते हैं, उसी तरीके से हमें बुरे वक्त को भी संभालना सीखना चाहिए किस तरीकेसे हम इनको संभाले कि यह परिस्थितियां कभी भी हमारे जीवन में ऐसी परिस्थिति ना क्रिएट करें की हम टूट कर बिखर जाएं यदि टूट कर बिखर भी जाएं तो स्वयं को जोड़कर पुनःखड़ा होने की हिम्मत अपने अंदर रखनी चाहिए। जीवन में जीवन से ज्यादा कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं होता परंतु अक्सर देखा जाता है कि इंसान छोटी-छोटी बातों को लेकर के भी आत्महत्या कर लेता है या फिर कोई ऐसा कदम उठा लेता है जिसकी हम कल्पना भी नहीं करते इन्हीं सब से निपटने के लिए हमें स्वयं को मानसिक रूप से सबल बनाना होता है। साथियों बात अगर हम विपरीत परिस्थितियों को हावी ना होने देने की करें तो, जब भी हम अपने जीवन में कमजोर होते हैं, चाहे वह कमजोरी शारीरिक होआर्थिक हो या मानसिक हो उस वक्त हमारा मन दुर्बल होता है तथा हम परिस्थितियों से संघर्ष करने में कमजोर होते हैं। अतः ऐसी स्थिति में हमारे ऊपर परिस्थितियों को हम हावी होने देते हैं यदि हम चाहते हैं कि हमारे ऊपर परिस्थितियां हावी ना हो तो हमको अपने आप को मानसिक रूप से बहुत सफल बनाए रखना होगा। जिंदगी में कहीं बार ऐसे पड़ाव, वक्त आता हैं कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं समझ में ही नहीं आता,उस परिस्थितियों में हमको सब्र रखना हैं, खुद से बातें करना हैं, खुद को एकांत में लाने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि यहीं वह समय हैं जब हम खुद कों समझ सकते हैं, हमारे अंदर रहा सामर्थ्य को पहचान सकते हैं, हमारी क्षमता को समझ सकते हैं,औऱ जरूरी हैं सकारात्मक बने रहना। प्रतिकूल परिस्थितियों में अगर हमारा अपने दिल और दिमाग पर काबू है तो हमको किसी की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी तो सबसे पहले हमको स्ट्रांग रखने के लिए अपने दिल और दिमाग को अपने काबू में रखना पड़ेगा अगर वह काबू में आ गए तो हम किसी भी परिस्थिति का सामना कर पाएंगे। साथियों बात अगर हम खुद के अनुसार परिस्थितियों को बदलकर इतिहास रचने की करें तो, हमें ऐसे व्यक्ति बननां है जो परिस्थितियों के अनुसार खुद नही बल्कि खुद के अनुसार परिस्थितियों को बदल डाले इसलिए पुनःप्रयास करें और तब तक करते रहें जब तक हम उस परिस्थिति को बदल न दे। हमें अपनी परिस्थिति को सुधारने का भरसक प्रयत्न करना और उसके मार्ग में आने वाले संकटों का धैर्यपूर्वक मुकाबला करना चाहिए ,पर यदि प्रयत्नों के बावजूद हमारी आकाँक्षा और इच्छाओं के अनुसार हमारी परिस्थिति में किसी अज्ञात कारणवश शीघ्र वाँछित परिवर्तन या सुधार नहीं होता है, तो हमें घबराकर प्रयत्नों को नहीं छोड़ देना चाहिए बल्कि दुगने उत्साह के साथ हमें अपने उद्देश्य-प्राप्ति में जुटे रहना चाहिए। ऐसे समय में हमें अपने आत्म मित्र एवं हितचिंतकों से इस विषय में परामर्श और मार्गदर्शन प्राप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए संभव है उनकी सूझबूझ और सहायता से हमारे संकट का निवारण हो जाए। समस्या को हम अपने परिवार के सदस्यों के सन्मुख उपस्थित कर उनकी सलाह भी ले सकते है। इस प्रकार हमें कहीं न कहीं से ऐसे प्रेरक विचार मिल जायेंगे, जिनके द्वारा हम अपनी परिस्थितियों को बदल सकेंगे। साथियों जीवन एक संग्राम है। इसमें वही व्यक्ति विजय प्राप्त कर सकता है, जो या तो परिस्थिति के अनुकूल अपने को ढाल लेता है या जो अपने पुरुषार्थ के बल पर परिस्थिति को बदल देता है। हम इन दोनों में से किसी भी एक मार्ग का या समयानुसार दोनों मार्गों का उपयोग कर जीवन-संग्राम में विजयी हो सकते हैं। परिस्थितियां बनती-बिगड़ती रहती है।ऐसे में विपरीत परिस्थितियों से कभी नहीं घबराएं।उनके साथताल-मेल बिठाएं और मन में धैर्य को स्थान दे।अपने अंदर करुणा,दया, प्रेम, आत्मीयता एवं सहानुभूति जैसे सद्गुणों का विकास करें।सात्विक विचारों के साथ-साथ सोच को सकारात्मक बनाएं सत्कर्म को बढ़ावा देपरिस्थितियां अपने आप अनुकूल बनती चली जाएगी।विकट परिस्थितियां हमारे संघर्ष को और पक्का करती हैं। स्वयं पर विश्वास रख कर आगे बढ़े, हर समय आप रो नहीं सकते हैं। हमको उन परिस्थितियों का डटकर मुकाबला करना होगा।धीरज धर्म,मित्र,अरु नारी।आपतिकाल परखिए चारी।।रामायण की इस चौपाई को हम अहर्निश ध्यान में रखते हुए आने वाली हर मुसीबत का निर्भीकता और दृढ़ता के साथ सामना कर सकते है। आप देखेंगे कि ज्यों ही हम विपत्तियों का मुकाबला करने के लिए कटिबद्ध होंगे, त्यों ही विपत्तियाँ दुम दबाकर भाग खड़ी होंगी, संकटों के सब बादल छँट जाएंगे और परिस्थिति निष्कंटक होकर हमारे लिए अनुकूल हो जायगी। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, जीवन में अच्छे और बुरे दोनों वक्त आते हैं।आओ परिस्थितियों से लड़कर इतिहास रचें।स्थितियों परिस्थितियों से निपटकर सफ़लता के झंडे गाड़कर इतिहास रचना है। हर परिस्थिति का सामना करने के लिए मनुष्य कोमानसिक मजबूती और संतुलित विचारधारा चाहिए।

## सूडोकु नवताल- 7421

मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 4 | 6 | | 1 | | 8 | | 2 |
| | 5 | | 8 | | 7 | | | |
| 9 | | | | 6 | | | | |
| | 6 | | 7 | 9 | | 5 | | 3 |
| 5 | | | | 4 | | | | 1 |
| 3 | | 1 | | 8 | 2 | | 7 | |
| | | | | 5 | | | | 6 |
| | | | 4 | | 3 | | 9 | |
| 4 | | 3 | | 2 | | 1 | 5 | 7 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7420 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 7 | 9 | 4 | 2 | 5 | 6 | 1 | 3 |
| 5 | 6 | 3 | 8 | 1 | 7 | 4 | 2 | 9 |
| 4 | 1 | 2 | 6 | 9 | 3 | 5 | 8 | 7 |
| 1 | 9 | 8 | 3 | 7 | 4 | 2 | 6 | 5 |
| 7 | 3 | 4 | 2 | 5 | 6 | 8 | 9 | 1 |
| 2 | 5 | 6 | 1 | 8 | 9 | 7 | 3 | 4 |
| 9 | 8 | 5 | 7 | 3 | 2 | 1 | 4 | 6 |
| 6 | 2 | 7 | 9 | 4 | 1 | 3 | 5 | 8 |
| 3 | 4 | 1 | 5 | 6 | 8 | 9 | 7 | 2 |

# जरूरी है मीडिया का भारतीयकरण

प्रो.संजय द्विवेदी

यह शब्द हिंसा का समय है। बहुत आक्रमक, बहुत बेलगाम। ऐसा लगता है कि टीवी न्यूज मीडिया ने यह मान लिया है कि शब्द हिंसा में ही उसकी मुक्ति है। चीखते-चिल्लाते और दलों के प्रवक्ताओं को मुर्गों की तरह लड़ाते हमारे एंकर सब कुछ स्क्रीन पर ही तय कर लेना चाहते हैं। यहां संवाद नहीं है, बातचीत भी नहीं है। विवाद और वितंडावाद है। यह किसी निष्कर्ष पर पहुंचने का संवाद नहीं है, आक्रामकता का वीभत्स प्रदर्शन है। निजी जीवन में बेहद आत्मीय राजनेता, एक ही कार में साथ बैठकर चैनल के दफ्तर आए प्रवक्तागण स्क्रीन पर जो दृश्य रचते हैं, उससे लगता है कि हमारा सार्वजनिक जीवन कितनी कड़वाहटों और नफरतों से भरा है। किंतु स्क्रीन के पहले और बाद का सच अलग है। बावजूद इसके हिंदुस्तान का आम आदमी इस स्क्रीन के नाटक को ही सच मान लेता है। लड़ता-झगड़ता हिंदुस्तान हमारा सच बन जाता है। मीडिया के इस जाल को तोड़ने की भी कोशिशें नदारद हैं। वस्तुनिष्ठता से किनारा करती मीडिया बहुत खौफनाक हो जाती है।

**सूचना और खबर के अंतर को समझिए** – हमें सोचना होगा कि आखिर हमारी मीडिया प्रेरणाएं क्या हैं? हम कहां से शक्ति और ऊर्जा पा रहे हैं। हमारा संचार क्षेत्र किन मानकों पर खड़ा है। पश्चिमी मीडिया के मानकों के आधार पर खड़ी हमारी मीडिया के लिए नकारात्मकता, संघर्ष और विवाद के बिंदु खास हो जाते हैं। जबकि संवाद और संचार की परंपरा में संवाद से संकटों के हल खोजने का प्रयत्न होता है। हमारी परंपरा में सही प्रश्न करना भी एक पद्धति है। सवालों की मनाही नहीं, सवालों से ही बड़ी से बड़ी समस्या का हल खोजना है, चाहे वह समस्या मन, जीवन या समाज किसी की भी हो। इस तरह प्रश्न हमें सामान्य सूचना से ज्ञान तक की यात्रा कराते रहे हैं। आज सूचना और ज्ञान को पर्याय बनाने के जतन हो रहे हैं। सच यह है कि सूचना तो समाचार,खबर या न्यूज का भी पर्याय नहीं है। सूचना कोई भी दे सकता है। वह कहीं से भी आ सकती है। सोशल मीडिया आजकल सूचनाओं से ही भरा हुआ है। किंतु ध्यान रखें खबर, समाचार और न्यूज के साथ जिम्मेदारी जुड़ी है। संपादकीय प्रक्रिया से गुजरकर ही कोई सूचना,समाचार बनती है। इसलिए संपादक और संवाददाता जैसी संस्थाएं साधारण नहीं है।

**हर व्यक्ति नहीं हो सकता पत्रकार**– यह कहना आजकल बहुत फैशन में है कि इस दौर में हर व्यक्ति पत्रकार है। हर व्यक्ति फोटोग्राफर है। हर व्यक्ति कम्युनिकेटर, सूचनादाता, मुखबिर हो सकता है, वह पत्रकार कैसे हो जाएगा? मेरे पास कैमरा है, मैं फोटो ग्राफर कैसे हो जाऊंगा। विशेष दक्षता और प्रशिक्षण से जुड़ी विधाओं को हल्का बनाने के हमारे प्रयासों ने ही हमारी मीडिया या संवाद की दुनिया को बहुत बड़ा नुक्सान पहुंचाया है। यह वैसा ही है जैसे कपड़े प्रेस करने वाले या प्रिंटिंग प्रेस वाले अपनी गाड़ियों पर प्रेस का स्टिकर लगाकर घूमने लगें। मीडिया में प्रशिक्षण प्राप्त और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के बिना आ रही भीड़ ने अराजकता का वातावरण खड़ा कर दिया है। लोकमान्य तिलक,महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस, बाबासाहेब आंबेडकर, पं.जवाहरलाल नेहरू, मदनमोहन मालवीय, माधवराव सप्रे जैसे उच्च शिक्षित लोगों द्वारा प्रारंभ और समाज के प्रति समर्पित पत्रकारिता वर्तमान में कहां खड़ी है। भारत सरकार के आग्रह पर प्रेस कौंसिल आफ इंडिया ने पत्रकारों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के निर्धारण के लिए एक समिति भी बनाई थी, जिसके समक्ष मुझे भी अपनी बात रखने का अवसर मिला था। बाद में उस कवायद का क्या हुआ पता नहीं।

**समाज की रूचि का करें परिष्कार** – समाज की रुचि का परिष्कार और रूचि निर्माण भी मीडिया की जिम्मेदारी है। अपने पाठकों, दर्शकों को समय के ज्वलंत मुद्दों पर अपडेट रखना, उनकी बौद्धिक, नागरिक चेतना को जागृत रखना भी मीडिया का काम है। जबकि देखा यह जा रहा है कि पाठकों की पसंद के नाम पर कंटेंट में गिरावट लाने की स्पर्धा है। ऐसे कठिन समय में मीडिया के दायित्वबोध और सरोकारों पर बातचीत बहुत जरूरी है। प्रिंट मीडिया ने भी साहित्य, कलाओं, प्रदर्शन कलाओं और मनुष्य बनाने वाली सभी विधाओं को अखबारों से निर्वासन दे दिया है। मीडिया सिर्फ दर्शक बना रहे यह भी ठीक नहीं। उसे राष्ट्रीय भावना और जनपक्ष के साथ खड़े रहना चाहिए। देखा जाए तो समाज में फैली अशांति, स्पर्धा, लालसाओं और संघर्ष के बीच विचार के लिए सकारात्मक मुद्दे उठाने ही होंगे। मीडिया खुद अशांत है और गहरी स्पर्धा के कारण सही -गलत में चुनाव नहीं कर पा रहा है। ऐसे में मीडियाकर्मियों की जिम्मेदारी है कि खुद भी शांत हों और संवाद की शुचिता पर काम करें।

**मेष राशिः** आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। दांपत्य जीवन में खुशी का माहौल बनेगा। धार्मिक कार्यों में आज आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। साथ ही किसी धार्मिक अनुष्ठान में जाने का मौका भी मिल सकता है। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज आप फिट रहेंगे।

**वृष राशिः** आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को आज थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है, सफलता मिलने के योग बने हुए हैं। आज किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या को लेकर अच्छे डॉक्टर से संपर्क करेंगे। अगर आज नये बिजनेस की शुरूआत करना चाहते है तो पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह ले लें। बच्चों के साथ आज मनोरंजन करके समय बिताएंगे।

**मिथुन राशिः** आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे। मीडिया से जुड़े लोगों को आज अच्छा लाभ मिलेगा। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों को आज प्रमोशन से जुडी अच्छी खबर मिल सकती है। आज संतान पक्ष से आपको सुखद अनुभूति होगी। इंजीनिरिंग के छात्रों को आगे बढ़ने के नये मौके मिलेंगे।

**कर्क राशिः** आज आपका दिन महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में बीतेगा। आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द्र की वृद्धि होगी। आज बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के मौके हाथ लगेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। वैवाहिक जीवन में आपसी लगाव बढ़ेगा। आज आपको सभी परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोग आज सामाजिक कार्यों में रूचि लेंगे।

**सिंह राशिः** आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी, आपकी पहले से चल रही ईएमआई आज पूरी होगी। आज फैशन डिज़ाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा। आज ऑनलाइन बड़ा आर्डर आपको मिलेगा। आपकी पारिवारिक स्थितियां पहले से अनुकूल बनेंगी। आज संतान पक्ष से अच्छी खबर मिलेगी। आपके शत्रु परास्त होंगे। आज किसी कार्य में आपके विरोधी आपकी सलाह मागेंगे।

**कन्या राशिः** आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, रुकावट भरे कार्य पूरे होंगे। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बढ़ेगा। छात्रों की पढ़ाई में रूचि बढ़ेगी। आपकी नौकरी में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। किसी से लिया कर्ज आज आप वापस करेंगे। आज आपकी परेशानियां कम होंगी, जिससे आप रिलैक्स महसूस करेंगे। लवमेट आज डिनर पर जाएंगे।

**तुला राशिः** आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आज किसी कार्य में आपके प्रयत्न सफल रहेंगे, मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के जो अविवाहित हैं उनके विवाह के लिए अच्छे रिश्ते आएंगे। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे। आज वाहन लेने का अवसर आपको मिल सकता है। डिज़ाइनर्स को आज बड़ा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं।

**वृश्चिक राशिः** आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी आमदनी की अपेक्षा आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी। आज किसी नए कार्य में आपकी रूचि बढ़ेगी। आज वाहन चलाते समय आप फोन का इस्तेमाल न करें। विद्यार्थी आज अपनी पढाई पर ध्यान देंगे। आज बिजनेस में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। आज जरूरत से ज्यादा किसी की बात का जबाब देने से बचे।

**धनु राशिः** आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। पहले से चली आ रही पारिवारिक अनबन आज समाप्त होगी। आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। नया वाहन लेने का विचार आज आप अपने परिवार वालों के साथ करेंगे। स्टेशनरी का कारोबार कर रहे लोगों को आज अच्छा मुनाफा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का बड़े अधिकारीयों से संपर्क बढ़ेगा। घर के बुजुर्गों को समय से दवाई दे। आज आपको माता-पिता से स्नेह मिलेगा।

**मकर राशिः** आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज पारिवारिक रिश्ते में अच्छा ताल-मेल बना रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। आप अपने किसी क्लाइंट से वीडियो कॉल करके मीटिंग करेंगे।

**कुंभ राशिः** आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी खास मेहमान के स्वागत सत्कार में आप व्यस्त रहेंगे और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। इस राशि के जो लोग अपने करियर की नई शुरुआत करने की सोच रहे है। आज उनके लिए दिन शुभ है।

**मीन राशिः** आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर के बड़ों से आगे बढ़ने की राय मिलेगी, जो आगे चलकर आपके काम आयेगी। किसी राइटर की बुक आज पब्लिश होगी, जिसके लिए उसको अवार्ड मिलेगा।

# इतिहास का बोझः कब तक हमारी पीढ़ियाँ झुकती रहेंगी

प्रियंका सौरभ

मुझे यह सोचकर पीड़ा होती है कि आज भी हमारे बच्चों को इतिहास के नाम पर मुग़ल शासकों की गाथाएँ पढ़ाई जाती हैं, जबकि चाणक्य, चित्रगुप्त और छत्रपति शिवाजी जैसे हमारे महान विचारकों और योद्धाओं को पाठ्यक्रम में पर्याप्त स्थान नहीं मिलता। मेरा मानना है कि इतिहास केवल जानने का विषय नहीं, बल्कि आत्मगौरव और पहचान का आधार है। हमारी आने वाली पीढ़ियाँ अपने गौरवशाली अतीत से जुड़ें और उन्हें वह शिक्षा मिले जो उनके भीतर आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति जगाए। "जय सनातन"केवल नारा नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक संकल्प है। इतिहास केवल अतीत का आईना नहीं होता, वह आने वाली पीढ़ियों की दृष्टि का आधार भी होता है। अफसोस है कि भारत के वर्तमान शैक्षणिक ढाँचे में यह आईना धुंधला कर दिया गया है। मुग़ल दरबारों की चमक, विदेशी आक्रांताओं की वीरता और गुलामी के प्रतीकों को जिस तरह से भारतीय इतिहास के केन्द्र में रखा गया है, वह न केवल बौद्धिक अन्याय है, बल्कि सांस्कृतिक आत्महीनता का भी बीज है। आख़िर कब तक हमारे बच्चों पर मुग़ल शासकों का बोझ लादा जाएगा। कब तक हमारी नई पीढ़ी औरंगज़ेब, बाबर, खिलजी की तलवारों को आदर्श समझेगी और अपने महान पूर्वजों की गाथाओं से अनजान रहेगी। यह प्रश्न केवल शिक्षा व्यवस्था का नहीं है, यह हमारी आत्मा और पहचान का भी प्रश्न है। चाणक्य, जिन्हें कौटिल्य या विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है, कोई साधारण राजपुरुष नहीं थे। वे राजनीति, अर्थशास्त्र और कूटनीति के मनीषी थे। 'अर्थशास्त्र' जैसा ग्रंथ लिखने वाला यह विचारक, केवल एक राजा का

गुरु नहीं था। वह सम्राटों को राष्ट्रधर्म का बोध कराने वाला मार्गदर्शक था। पर क्या हमारे पाठ्यक्रम में चाणक्य के सिद्धांतों को वह स्थान मिला है, जो वह वास्तव में इसके हकदार थे ? किसी भी राष्ट्र की नीतिगत समझ अपने विचारशील नेताओं के दर्शन से बनती है। चाणक्य के सिद्धांत आज भी शासन, कूटनीति और प्रशासन के क्षेत्र में प्रासंगिक हैं। लेकिन जब इतिहास की किताबों में चाणक्य के नाम पर केवल 2-3 पंक्तियाँ मिलती हैं, तब समझ आता है कि ज्ञान के सूर्य को कितनी कृत्रिम छाया से ढक दिया गया है। इसी तरह चित्रगुप्त, एक ऐसा नाम जो केवल धार्मिक आस्थाओं तक सीमित कर दिया गया है। परन्तु उनका महत्व एक अत्यंत उच्च कोटि के सामाजिक व्यवस्थापक का भी था। वे कर्म का लेखा-जोखा रखने वाले देवता माने जाते हैं, पर इसका व्यापक आशय आज की पीढ़ी को नहीं सिखाया जाता। चित्रगुप्त न्याय और दायित्व की उस परंपरा का प्रतीक हैं, जो भारतीय दर्शन की रीढ़ है। अगर हम अपने बच्चों को यह नहीं बताएँगे कि हमारे पूर्वजों ने न्याय, विवेक और उत्तरदायित्व को कितनी ऊँचाई दी थी तो वे विदेशी न्यायशास्त्रों को ही 'आधुनिक' और 'सर्वोत्तम' मानते रहेंगे। छत्रपति शिवाजी महाराज केवल योद्धा नहीं थे, वे भारतीय राष्ट्रवाद की जीवंत प्रतिमा थे। उनकी युद्धनीति, उनकी प्रशासनिक सूझबूझ और उनके धर्मनिरपेक्ष व्यवहार ने उस दौर में भी हिन्दुस्तान की अस्मिता को एक नई परिभाषा दी, जब भारत टुकड़ों में बँटा हुआ था। हैरत की बात है कि आज भी कई राज्यों के स्कूली पाठ्यक्रमों में शिवाजी का नाम केवल एक 'मराठा योद्धा' तक सीमित कर दिया गया है। क्या यही है हमारी ऐतिहासिक दृष्टि? क्या यह न्याय है उस नायक के साथ, जिसने 'हिंदवी स्वराज्य' की कल्पना को तलवार की धार पर जिया? इतिहास सिर्फ़ वो नहीं होता जो घटित हुआ, इतिहास वो होता है, जिसे बताया गया, पढ़ाया गया और दोहराया गया। जब पाठ्य-पुस्तकों में तैमूर, ग़ोरी को विस्तार से पढ़ाया जाए और पृथ्वीराज चौहान, राणा प्रताप, गुरुगोबिंद सिंह, झाँसी की रानी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस को हाशिये पर डाल दिया जाए तो पीढ़ियाँ गुलाम मानसिकता की पाठशाला से ही निकलेंगी। भारत का इतिहास वेदों में है, उपनिषदों में है, रामायण और महाभारत में है, नालंदा और तक्षशिला में है, आर्यभट्ट, वराहमिहिर और भास्कराचार्य के विज्ञान में है। पर अफ़सोस कि बच्चों को इनकी जगह सिखाया जाता है कि कौन सा विदेशी ने भारत में रेल लाया, डाकघर लाया और किसने क़ानून सिखाया। यह विषय केवल पाठ्यक्रम में नाम जोड़ने और हटाने का नहीं है। यह एक गहरी वैचारिक लड़ाई है– हमारे आत्मबोध, आत्मगौरव और सांस्कृतिक अस्तित्व की। अगर हमारी पीढ़ियाँ लगातार वही इतिहास पढ़ेंगी, जिसमें वे पराजित, गुलाम और निरीह चित्रित किए गए हैं तो वे स्वाभिमान और स्वतंत्र सोच कैसे विकसित करेंगी? हम यह नहीं कहते कि मुग़ल इतिहास को हटाया जाए। हम यह कहते हैं कि उसे भी उसी आलोचनात्मक दृष्टि से पढ़ाया जाए, जैसे किसी भी अन्य युग को। उसके साथ-साथ हमारे नायकों को भी वह सम्मान मिले जो वे पात्र हैं, दया नहीं। जय सनातन का अर्थ केवल धार्मिक जयघोष नहीं है। यह उस मूल चेतना का आह्वान है जो भारत को भारत बनाती है जैसे सहिष्णुता, विज्ञान, दर्शन, आत्मानुशासन और कर्म। सनातन भारत की आत्मा में चाणक्य की नीति, शिवाजी की शौर्यता, चित्रगुप्त की न्याय भावना, विदुर की नैतिकता और महर्षि पतंजलि की योगमय सोच शामिल है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

# आईपीएल 2025: रोमांचक मुकाबले में आरसीबी ने सीएसके को 2 रन से हराया

**सिंगापुर।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 52वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर 2 रन की रोमांचक जीत हासिल की। आरसीबी की टीम 16 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंच गई है। यह बेंगलुरु की लगातार चौथी जीत है। जबकि प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी चेन्नई ने लगातार चौथा मैच गंवाया। बेंगलुरु ने उसे इस सीजन के दोनों मैच में हराया। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 213 रन का स्कोर खड़ा किया। आरसीबी के लिए विराट कोहली और जैकब बैथल ने शानदार शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 9.5 ओवर में 97 रन का साझेदारी की। यह जोड़ी बैथन (53 रन) के आउट होने से टूटी। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल (17 रन), कप्तान रजत पाटीदार (11 रन) और जीतेश शर्मा (7 रन) के विकेट जल्दी गिरे। लेकिन दूसरे छोर पर कोहली खेलते रहे और इस आईपीएल सीजन का सातवां अर्धशतक लगाया। हालांकि वो अपनी पारी को ज्यादा दूर नहीं ले जा सके और 62 रन के निजी योग पर आउट हुए। आखिर में रोमारियो शेफर्ड की 14 गेंदों में नाबाद 53 रन की धमाकेदार पारी ने टीम के स्कोर को 200 के पार पहुंचा दिया। टिम डेविड 2 रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई की ओर से मथीशा पथिराना ने तीन विकेट चटकाए, जबकि नूर अहमद और सैम करन को एक-एक सफलता मिली। वहीं, 214 रन का पीछा करने उतरी चेन्नई की टीम भी रफ्तार की गाड़ी पर सवार रही। टीम

को ओपनर आयुष म्हात्रे और शेक राशिद ने तेजी से रन बनाते हुए 4.3 ओवर में टीम का स्कोर 51 तक पहुंचा दिया। हालांकि इसी स्कोर पर टीम को पहला झटका राशिद (14 रन) के तौर पर लगा। इसके बाद सैम करन भी मात्र 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। फिर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए रविंद्र जडेजा ने म्हात्रे का जोरदार साथ दिया। दोनों के बीच 64 गेंदों में 114 रन की साझेदारी हुई। इस बीच म्हात्रे 94 रन बनाकर आउट हो गए। आखिर में डेवाल्ड ब्रेविस (शून्य रन), महेंद्र सिंह धोनी (12 रन) भी ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिके। आखिर में तीन गेंदों पर 13 रन की जरूरत थी तो शिवम दुबे बैटिंग करने आए और पहली गेंद पर 6 रन मारा, जो नो बॉल भी हुई। लेकिन अगली दो गेंदों पर कोई बाउंड्री नहीं आई और चेन्नई लक्ष्य से दो रन दूर रह गई। आरसीबी के लिए लुंगी नगिडी ने तीन बल्लेबाजो को आउट किया। जबकि क्रुणाल पांड्या और यश दयाल को एक-एक सफलता मिली।

# सनराइजर्स हैदराबाद के लिए प्लेऑफ का रास्ता होगा मुश्किल : रायडू

**नई दिल्ली।** भारत के पूर्व क्रिकेटर तथा इस आईपीएल में कामेंट्रेटर की भूमिका में नजर आ रहे अंबाती रायडू ने कहा है कि आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए प्लेऑफ की राह बहुत कठिन हो सकती है। उन्होंने यह बयान उस समय दिया जब हैदराबाद को गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 38 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। पिछले साल की उपविजेता टीम इस सीजन में अब तक सिर्फ तीन मैच जीत पाई है और अंक तालिका में वह नौवें स्थान पर है। ऐसे में उनकी प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना लगभग खत्म हो चुकी है। रायडू के मुताबिक, टीम ने इस सीजन में अपनी रणनीति और संतुलन बनाने में खासी परेशानी झेली है। रायडू ने सनराइजर्स हैदराबाद की हार का विश्लेषण करते हुए कहा कि जीटी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 224 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। शुभमन गिल ने 38 गेंदों पर 76 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 2 छक्के शामिल थे, जबकि जोस बटलर ने 37 गेंदों पर 64 रन बनाए, जिनमें 4 छक्के और 3 चौके थे। इसके जवाब में हैदराबाद के बल्लेबाजों ने लक्ष्य का पीछा करते हुए संघर्ष किया, जिसमें अभिषेक शर्मा ने 41 गेंदों में 74 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाजों से उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं आया। रायडू ने कहा कि हैदराबाद लक्ष्य का पीछा करने से पहले ही हार गई थी, खासकर उनकी गेंदबाजी और फील्डिंग के कारण। उन्होंने कहा, "गुजरात को उनकी शानदार बल्लेबाजी का श्रेय जाता है, लेकिन हैदराबाद की गेंदबाजी और फील्डिंग में खामियां रही। टीम ने कैच छोड़े और मिसफील्ड की। दूसरी ओर, जीटी ने शानदार ऊर्जा का प्रदर्शन किया।" सनराइजर्स हैदराबाद के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाओं पर रायडू ने कहा कि उनका सीजन खत्म होने के करीब है। उन्होंने कहा, "मैं मानता हूं कि हैदराबाद के लिए आगे का रास्ता बहुत कठिन होगा। टीम तालिका में निचले स्थान पर है, और मुझे नहीं लगता कि वे इस सीजन में वापसी कर पाएंगे। उन्हें बेहतर क्रिकेट खेलने की जरूरत है और शायद अगले सीजन के लिए उन्हें नई रणनीति पर काम करना होगा।"

## आखिरी ओवर के रोमांच पर यश दयाल ने की बात, बोले-आत्मविश्वास था कि मैं यह कर सकता हूं

**नई दिल्ली।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच बीती रात शनिवार को रोमांचक मैच देखने को मिला। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए मैच में आरसीबी ने सीएसको को 2 रन से हरा दिया। यह मैच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का 52वां मैच था। मैच में सीएसको को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। बेंगलुरु के तेज गेंदबाज यश दयाल ने केवल 12 रन दिए और अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। मैच के बाद आरसीबी के इस तेज गेंदबाज ने अपने उस आखिरी ओवर के रोमांच के बारे में बात की है। दयाल ने आईपीएल की वेबसाइट पर जारी एक वीडियो में कहा, "उस समय मेरे दिमाग में यही चल रहा था कि अगली गेंद कैसे एग्जीक्यूट करना है। जैसा कि मैं पहले भी कर चुका हूं, इसलिए मेरे दिमाग में आत्मविश्वास था कि हां, मैं यह कर सकता हूं। पिछले साल भी दयाल ने

इसी मैदान पर सीएसके के खिलाफ आखिरी ओवर फेंका था और एमएस धोनी का विकेट लिया था। उस समय उनकी टीम सीएसके को नेट रन रेट के आधार पर पछाड़कर प्लेऑफ में पहुंची थी। अब दयाल ने फिर वही कारनामा किया है। इस बार भी धोनी मैदान पर थे। ऐसे में दयाल ने धैर्य दिखाते हुए शानदार गेंदबाजी की और धोनी का विकेट भी अपने नाम किया। दयाल ने कहा कि पिछले साल का विकेट और इस साल के विकेट में ज्यादा कुछ अंतर नहीं था। उस मैच में वे (धोनी) कैच आउट हुए थे। इसमें यॉर्कर पर एलबीडब्ल्यू हुए। मेरे लिए बस यही था कि मुझे एग्जीक्यूट करना है। विकेट लेने का ऐसा कोई इंटेंट नहीं था। विकेट मिल गया, जो मेरे लिए लकी था। तेज गेंदबाज ने कहा कि जश्न भी वैसा ही था क्योंकि मुझे खुद इसका एहसास नहीं था। मैं उससे (जैकब बेथेल) से बात कर रहा था जो वहां पर था। मैं उससे कह रहा था, 'भाई थ्रो कर दे।' इसलिए मेरा दिमाग वहां (जश्न) नहीं था। मैं बस इतना चाहता था कि पूरी चीज ठीक से खत्म हो जाए। उसके बाद मुझे एहसास हुआ (क्या हुआ), तो सेम (हाथ फैलाकर जश्न)।

**कैसा रहा आखिरी ओवर-** आखिरी ओवर में सीएसके को जीत के लिए 15 रन चाहिए थे। क्रिज पर रवींद्र जडेजा और एमएस धोनी थे। आरसीबी के लिए यश दयाल आखिरी ओवर लेकर आए। पहली गेंद पर सिर्फ एक रन आया। दूसरी गेंद पर भी सिर्फ एक रन मिला। अब सीएसके को 4 गेंदों में 13 रन चाहिए थे। यश दयाल की तीसरी गेंद पर धोनी शॉट से चूक गए और गेंद सीधे पैड से टकराई। अंपायर ने एल्बीडब्ल्यू दे दिया। धोनी ने रिव्यू लिया, लेकिन रीप्ले में दिखा कि गेंद स्टंप्स पर जा रही थी। धोनी एल्बीडब्ल्यू हो गए।

## फिटनेस का राज महंगे सप्लीमेंट या जिम में नहीं : रमनदीप सिंह

**नई दिल्ली।** कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज रमनदीप सिंह के अनुसार, पारंपरिक देसी घी, अंडे, दही और गेहूं की रोटी जैसे घरेलू खाने से ही असली ताकत मिलती है। रमनदीप के मुताबिक, फिटनेस का राज महंगे सप्लीमेंट या जिम में नहीं, बल्कि घर के सादे और पौष्टिक खाने में छिपा है। रमनदीप ने टीम की फिटनेस सीरीज 'ट्रेन लाइक ए नाइट' के हालिया एपिसोड में अपनी फिटनेस की सादगी और अनुशासन पर आधारित दिनचर्या साझा की है। चंडीगढ़ में एक अंतरराष्ट्रीय साइक्लिस्ट पिता के घर में पले-बढ़े रमनदीप ने कहा कि उन्हें बचपन से पोषण की अहमियत का बोध हो गया था। वे कहते हैं कि अगर कोई चीनी, तला हुआ खाना और

मैदे से बने पदार्थ छोड़ दे, तो 90 प्रतिशत डाइट अपने आप ठीक हो जाती है। उनका मानना है कि आप बाहर जाकर फिट नहीं रह सकते, लेकिन घर का बना खाना आपकी सेहत का आधार बन सकता है। उनका दैनिक आहार देसी घी से शुरू होता है, इसके बाद दो पूरे अंडे, तीन अंडे की सफेदी, गेहूं की रोटी और दही का संतुलित नाश्ता होता है। रमनदीप का फिटनेस फॉर्मूला युवाओं के लिए प्रेरणा है: वह बॉडीवेट एक्सरसाइज जैसे पुश-अप, स्क्वैट्स और पुल-अप को शुरुआती फिटनेस यात्रा के लिए बेहतरीन मानते हैं। उनका कहना है कि यदि हम फिटनेस की शुरुआत जल्दी करते हैं, तो इसका फायदा लंबे समय तक मिलता है। वह रिकवरी को भी उतनी ही अहमियत देते हैं जितनी कसरत को। रमनदीप बताते हैं कि आराम वाले दिन शरीर की मरम्मत और अगले दिन की तैयारी के लिए जरूरी होते हैं, और उन दिनों का पोषण ही असली फर्क लाता है। उनके प्री-वर्कआउट रूटीन में 3 ग्राम क्रिएटिन शामिल है और वर्कआउट के बाद वे पर्याप्त फाइबर के साथ प्रोटीन युक्त भोजन लेते हैं, जिसमें सब्जियाँ शामिल होती हैं।

## सूर्यकुमार ने आयुष को भविष्य का सितारा बताया

**बेंगलुरु।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को यहां हुए आईपीएल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे अपनी आक्रामक पारी से सबके आकर्षण का केन्द्र बने हैं। आयुष ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए 94 रन बनाये हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। आयुष की इसी पारी की भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जमकर प्रशंसा की है। सूर्यकुमार ने कहा है कि आयुष भविष्य के सितारे हैं। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, निश्चित इरादे, बहादुरी और जोश से भरी पारी! भविष्य यहीं है, यह नाम याद रखना। गौरतलब है कि आयुष को कप्तान

रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद सीएसके ने अपनी टीम में शामिल किया था। वह मुम्बई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। इस मैच में आसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल ने अंतिम ओवर में जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए आरसीबी को जीत दिलायी। इस मैच में जीत के लिए सीएसके को अंतिम ओवर में 15 रन की जरुरत पर वह केवल 13 रन ही बना पायी। इस मैच में जीत से आरसीबी का प्लेऑफ में पहुंचना तय हो गया है।

## व्यापार

# टॉप 10 में शामिल 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.31 लाख करोड़ की वृद्धि

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 3 कंपनियों के मार्केट कैप में 18,740.33 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। इनमें बजाज फाइनेंस को सबसे ज्यादा नुकसान का सामना करना पड़ा। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), इंफोसिस और आईटीसी के मार्केट कैप में 2,31,177.30 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। 28 अप्रैल से 2 मई के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,64,959.62 करोड़ रुपये बढ़ कर 19,24,235.76 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 20,755.67 करोड़ रुपये उछल कर 10,56,029.91 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 19,381.9 करोड़ रुपये बढ़ कर के 10,20,200.69 करोड़ रुपये के स्तर पर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 11,514.78 करोड़ रुपये की उछाल के साथ

14,73,356.95 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 10,902.31 करोड़ रुपये उछल कर 6,25,668.37 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 2,502.82 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 5,38,294.86 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 1,160.20 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,14,014.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 15,470.50 करोड़ रुपये कम होकर 5,50,726.80 करोड़ रुपये के स्तर पर और आ गया। इसी तरह हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 1,985.41 करोड़ रुपये घट कर 5,45,845.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 1,284.42 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,45,996.98 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,24,235.76 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,73,356.95 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 12,45,996.98 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,56,029.91 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 10,20,200.69 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,14,014.23 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,25,668.37 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,50,726.80 करोड़ रुपये) हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,45,845.29 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,38,294.86 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

## अगले सप्ताह दो नए आईपीओ की लॉन्चिंग, पांच शेयरों की होगी लिस्टिंग

**नई दिल्ली।** सोमवार पांच मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में दो नए आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। ये दोनों आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह लॉन्च हुए दो आईपीओ में भी इस सप्ताह छह मई यानी मंगलवार तक बोली लगाई जा सकेगी। जहां तक लिस्टिंग की बात है तो इस सप्ताह एथर एनर्जी समेत पांच कंपनियों के शेयर लिस्ट होकर स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगे। सोमवार को श्रीगी डीएलएम लिमिटेड का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में सात मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 94 से 99 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट आठ मई को किया जाएगा, वहीं

इनकी लिस्टिंग बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 12 मई को होगी। पांच मई को ही मनोज ज्वेलर्स का 16.20 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में भी सात मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 54 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट आठ मई को किया जाएगा, जबकि इनकी लिस्टिंग बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 12 मई को होगी। इनके अलावा पिछले सप्ताह 29 अप्रैल को खुले केनरिक इंडस्ट्रीज के 8.75 करोड़ रुपये के आईपीओ में छह मई तक आवेदन किया जा सकता है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 25 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 6,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट सात मई को होगा, जबकि इनकी लिस्टिंग नौ मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसी तरह दो मई को खुले वैगन्स लर्निंग के 38.38 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी छह मई तक आवेदन किया जा सकता है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 78 से 82 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट सात मई को होगा, वहीं इनकी लिस्टिंग नौ मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। पांच मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान पांच कंपनियां के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

## सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से सात कंपनियों का मार्केट कैप 2.31 लाख करोड़ बढ़ा

**मुंबई।** बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2.31 लाख करोड़ रुपये (2,31,177.3 करोड़ रुपये) की बढ़ोतरी हुई। घरेलू शेयर बाजार में सुधार के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा लाभ में रही। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई, वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत घट गई। गुरुवार को 'महाराष्ट्र दिवस' के मौके पर शेयर बाजार बंद रहे थे। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 1,64,959.62 करोड़ रुपये बढ़कर 19,24,235.76 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का मूल्यांकन 20,755.67 करोड़ रुपये बढ़कर 10,56,029.91 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 19,381.9 करोड़ रुपये बढ़कर 10,20,200.69 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 11,514.78 करोड़ रुपये बढ़कर 14,73,356.95 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का 10,902.31 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,25,668.37 करोड़ रुपये, आईटीसी की बाजार हैसियत 2,502.82 करोड़ रुपये बढ़कर 5,38,294.86

करोड़ रुपये और एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 1,160.2 करोड़ रुपये बढ़कर 7,14,014.23 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के विपरीत बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 15,470.5 करोड़ रुपये घटकर 5,50,726.80 करोड़ रुपये रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 1,985.41 करोड़ रुपये घटकर 5,45,845.29 करोड़ रुपये पर आ गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 1,284.42 करोड़ रुपये घटकर 12,45,996.98 करोड़ रुपये रह गया। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

## सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली गिरावट, चांदी में बदलाव नहीं

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 95,510 रुपये से लेकर 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,550 रुपये से लेकर 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 2,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 2,470 रुपये प्रति 10 ग्राम तक टूट चुका है फिलहाल सोना 22 अप्रैल के अपने सर्वोच्च स्तर से करीब 5 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो चुका है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम

दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 87,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

## एमजी विंडसर प्रो ईवी का टीजर जारी, 6 मई को होगी लॉन्च

**नई दिल्ली।** जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी लोकप्रिय इलेक्ट्रिक कार विंडसर का नया वर्जन 'विंडसर प्रो' 6 मई को लॉन्च करने की घोषणा की है। लॉन्च से पहले ही इस इलेक्ट्रिक गाड़ी के एक्सटीरियर और इंटीरियर की तस्वीरें लीक हो गई हैं, जिनसे इसके नए लुक और फीचर्स की झलक मिलती है। यह प्रो वर्जन पहले से कहीं ज्यादा एडवांस और प्रीमियम होगा। इसमें डायमंड-कट फिनिश के साथ नए एलॉय व्हील दिए गए हैं, जो पहले हेक्टर मॉडल में देखे जा चुके हैं। इसके अलावा, पीछे की तरफ एडीएएस बैजिंग देखने को मिलती है, जो यह संकेत देती है कि अब इसमें एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम की सुविधा भी दी जाएगी। कंपनी ने क्ले बेज कलर स्कीम को बंद कर दिया है और अब इसकी जगह सिल्वर कलर जोड़ा गया है। गाड़ी के इंटीरियर में बेज

कलर की सीटें दी गई हैं, जो न सिर्फ प्रीमियम लुक देती हैं बल्कि गर्मियों में ब्लैक सीट्स की तुलना में कम गर्म भी होती हैं। हालांकि इनकी सफाई और मेंटेनेंस में थोड़ी परेशानी हो सकती है। इसमें वी2एल यानी व्हीकल टू लोड फीचर जोड़ा गया है, जिसकी मदद से कार की बैटरी से अन्य डिवाइस चार्ज किए जा सकते हैं। विंडसर प्रो में अब 50.6 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक मिलेगा, जिससे इसकी रेंज बढ़कर 460 किलोमीटर तक पहुंच सकती है। वर्तमान में मौजूद विंडसर ईवी में 38 केडब्ल्यूएच बैटरी दी गई है जो 332 किलोमीटर की रेंज देती है।

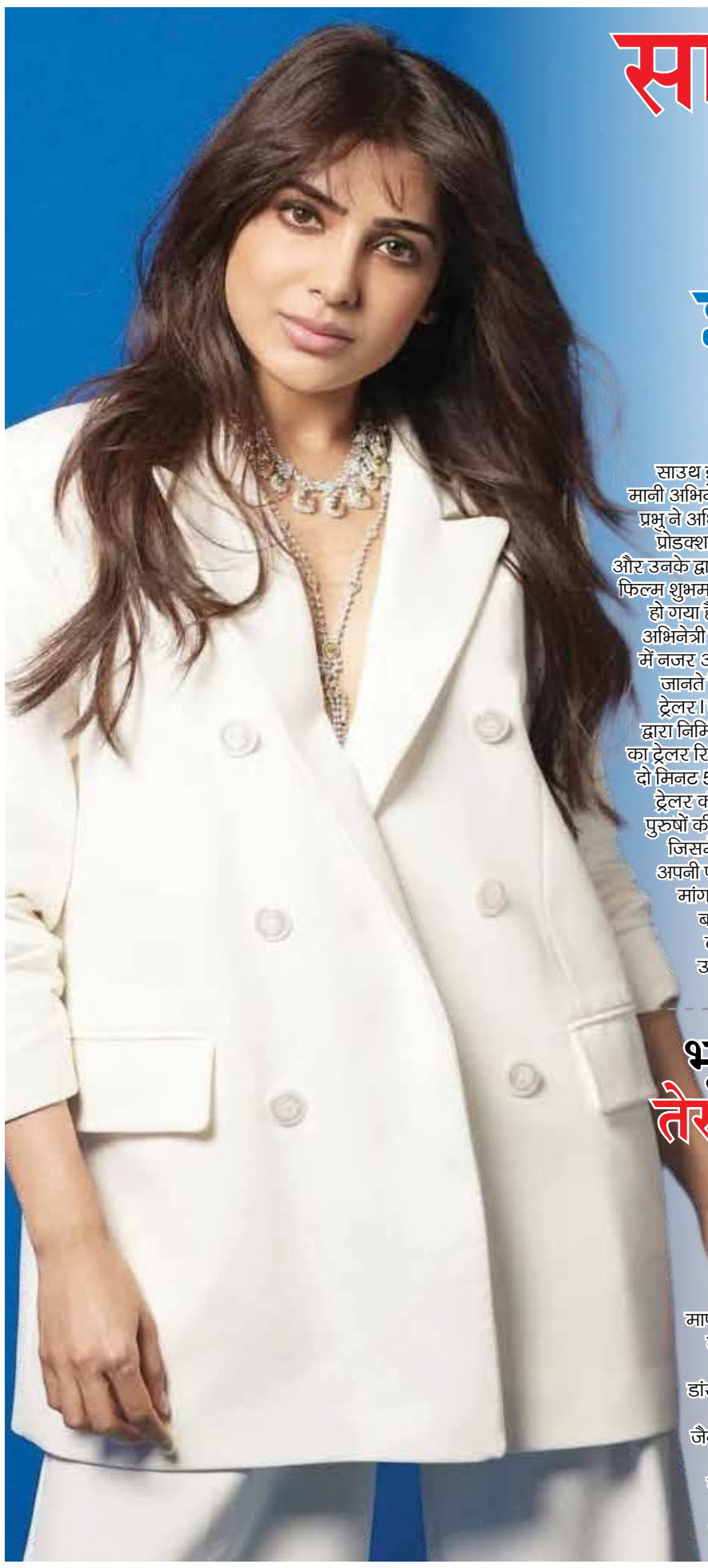

# सामंथा रुथ प्रभु द्वारा निर्मित पहली फिल्म शुभम का ट्रेलर लॉन्च

## 09 मई को रिलीज होगी

साउथ इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अभिनय के अलावा प्रोडक्शन में कदम रखा और उनके द्वारा निर्मित पहली फिल्म शुभम का ट्रेलर लॉन्च हो गया है। इस फिल्म में अभिनेत्री मजेदार कैमियो में नजर आ रही हैं। आइए जानते हैं कैसा है इसक ट्रेलर। सामंथा रुथ प्रभु द्वारा निर्मित फिल्म शुभम का ट्रेलर रिलीज हो गया है। दो मिनट 51 सेकेंड के इस ट्रेलर की शुरुआत कुछ पुरुषों की चर्चा से होती है, जिसमें वे अपने घर में अपनी पत्नियों से कॉफी मांगने के तरीकों को बताते हैं। इसी को लेकर एक पुरुष उन लोगों की इस बात से सहमत

नहीं होता है। इसके बाद दिखाया जाता है कि महिलाएं एक खास समय पर टीवी शो देखने में व्यस्त हो जाती हैं, जिस कारण पुरुष अपना गुस्सा कंट्रोल नही कर पाते हैं। ट्रेलर के अंत में सामंथा एक माता के रूप में दिखती हैं, जिनसे सवाल किया जाता है कि पुरुषों का अब क्या होगा। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। सामंथा द्वारा निर्मित यह फिल्म सिनेमाघरों में 09 मई को रिलीज होगी। इस ट्रेलर को अभिनेत्री ने अपने यूट्यूब पर ऑफिशियल लॉन्च किया है। साथ ही इसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम और एक्स अकाउंट पर भी दिया है। अभिनेत्री ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'हमारे साथ एक मजेदार सफर पर निकलिए वो भी एक ऐसी फिल्म के साथ जो पूरी तरह से दिल को छू लेने वाली है। इसके अलावा अभिनेत्री ने हैशटैग में शुभम फिल्म की रिलीज तारीख 09 मई बताई है। इस फिल्म को ट्रालाला मूविंग पिक्चर्स के सहयोग के साथ बनाया जा रहा है। अगर सामंथा रुथ प्रभु के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री के प्रोडक्शन द्वारा शुभम पहली फिल्म है, जो 09 मई को रिलीज हो रही है। इसके अलावा बात करें तो वह मां इंति बंगाराम फिल्म का भी निर्माण कर रही हैं, जिसमें वह अभिनय भी करेंगी। आखिरी बार अभिनेत्री को वरुण धवन के साथ अमेजन प्राइम की सीरीज सिटाडेल: हनी बनी में देखा गया था।

# भूल चुक माफ का नया गाना सांवरिया तेरा जारी, 9 मई को रिलीज होगी फिल्म

राजकुमार राव को पिछली बार फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर उनकी इस फिल्म ने कुछ खास कमाल नहीं किया। पिछले कुछ समय से राजकुमार अपनी आगामी फिल्म भूल चूक माफ को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनकी जोड़ी अभिनेत्री वामिका गब्बी के साथ बनी है। अब निर्माताओं ने भूल चुक का नया गाना सांवरिया जारी कर दिया है, जिसमें राजकुमार और वामिक करते दिखे रहे हैं। सांवरिया गाने को राघव चैतन्य, वरुण जैन, सुवर्णा तिवारी, प्रवेश मलिक और प्रियंका सरकार ने मिलकर गाया है, जबकि इसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान करण शर्मा ने संभाली है, वहीं दिनेश विजान इसके निर्माता हैं। इस फिल्म में संजय मिश्रा, सीमा पाहवा, जाकिर हुसैन, रघुबीर यादव, इश्तियाक खान और अनुभा फतेहपुरिया जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। यह फिल्म 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

माफ़ तेरा डांस तेरा

# विक्की कौशल बने एक जादूगर, शूजित सरकार की फिल्म में जादुई अवतार में आएंगे नजर

विक्की कौशल इन दिनों अपने करियर की ऊंचाई पर हैं। हाल ही में आई उनकी ऐतिहासिक फिल्म छावा की सफलता के बाद अब उन्होंने अपनी अगली फिल्म का पहला लुक जारी कर फैंस को चौंका दिया है। इस बार विक्की का अंदाज कुछ अलग और मजेदार होने वाला है। खास बात है कि अभिनेता इस बार जादूगर बनने की तैयारी कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ये पोस्टर आते ही वायरल हो गया है और फैंस उनके इस नए अवतार को खूब पसंद कर रहे हैं। पोस्टर में विक्की कौशल हरे रंग की चमकदार ड्रेस में नजर आ रहे हैं, जिससे साफ झलकता है कि वो फिल्म में एक जादूगर का रोल निभाने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर शूजित सिरकार कर रहे हैं, जिन्होंने पीकू और अक्टूबर जैसी शानदार फिल्में बनाई हैं। फिल्म को राइजिंग सन फिल्म्स प्रोड्यूस कर रहा है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, पोस्टर में विक्की कौशल का लुक न सिर्फ फैंटेसी और जादू का एहसास कराता है, बल्कि फिल्म की थीम को भी शानदार ढंग से बयां करता है. बैकग्राउंड में उड़ते ताश के पत्ते, कबूतर और मैजिकल बॉल्स इस फिल्म को विजुअली भी बेहद आकर्षक बनाते हैं. फैंस ने विक्की के इस नए अवतार को खूब सराहा है. सोशल मीडिया पर कमेंट्स की भरमार है — कोई उन्हें मैजिकल मैन कह रहा है तो कोई परफेक्ट चॉइस फॉर द रोल. फिल्म से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन पोस्टर ने दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है. विक्की कौशल की एक्टिंग स्किल्स को देखते हुए यह फिल्म निश्चित ही कुछ नया और अलग लेकर आएगी. 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई विक्की कौशल-रश्मिका मंदाना की फिल्म छावा को सिनेमाघरों में तहलका मचा दिया था। मूवी में अभिनेता मराठा वीर योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभाया था जिसमें एक्टर के करियर को बड़ी उड़ान दी है। लगभग 130 करोड़ के बजट में तैयार हुई फिल्म छावा ने बॉक्स ऑफिस से 594 करोड़ की कमाई की है। विक्की कौशल की अन्य फिल्मों की बात करें तो अभिनेता जल्द ही संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट, रणबीर कपूर अहम भूमिका निभाने वाले हैं। हालांकि अभी तक मेकर्स की तरफ से इसकी कहानी पर कोई अपडेट साझा नहीं किया गया है। इसके अलावा हाल ही में खबर आई थी कि दीपिका पादुकोण को भी इस मूवी के लिए अप्रोच किया गया है। मगर एक्ट्रेस की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

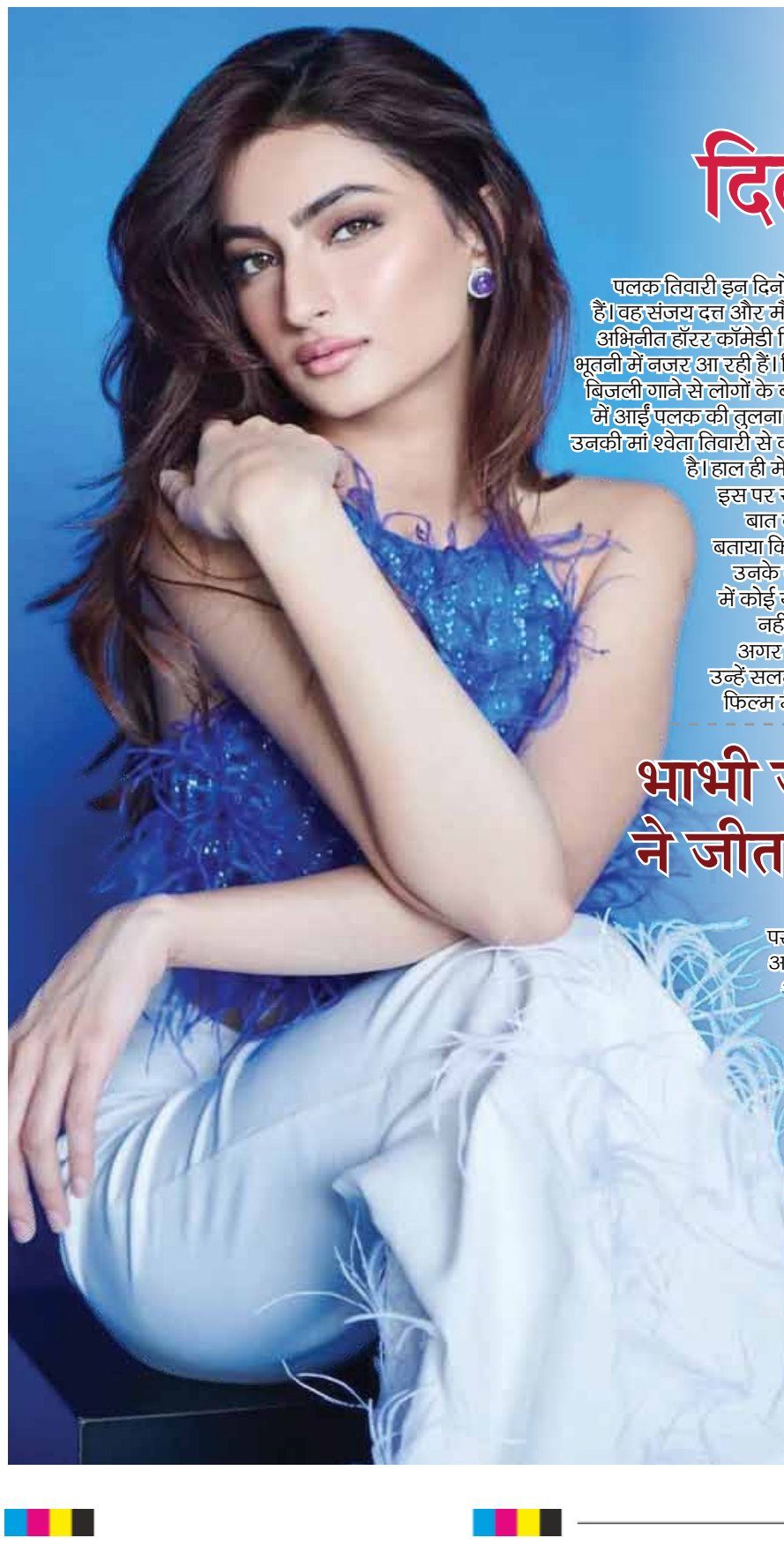

# पलक तिवारी बोलीं-मां ने मुझे शोहरत दिलाई, सलमान खान की फिल्म में काम नहीं

पलक तिवारी इन दिनों चर्चा में हैं। वह संजय दत्त और मौनी रॉय अभिनीत हॉरर कॉमेडी फिल्म द भूतनी में नजर आ रही हैं। बिजली-बिजली गाने से लोगों के बीच चर्चा में आईं पलक की तुलना अक्सर उनकी मां श्वेता तिवारी से की जाती है। हाल ही में उन्होंने इस पर खुलकर बात की और बताया कि मां का उनके करियर में कोई योगदान नहीं है और अगर होता तो उन्हें सलमान की फिल्म में इतनी छोटी भूमिका नहीं मिलती। पलक से पूछा क्या आप मानती हैं कि आपको अपनी अभिनेत्री मां के कारण इतना बड़ा मौका मिला तो वह बोलीं, मैं टीवी पर जाती तो मुझे बहुत फायदा मिलता, क्योंकि मेरी मम्मी ने छोटे पर्दे पर एक बहुत बड़ा मुकाम बनाया है, लेकिन अपनी पहली फिल्म का मौका मुझे बिग बॉस के कारण मिला, जहां मैं हार्डी संधू के साथ अपना बिजली गाना प्रमोट करने गई थी। मम्मी के कारण मुझे शोहरत बहुत मिली, लेकिन फिल्म नहीं। पलक कहती हैं, फिल्म किसी का भाई किसी की जान में मेरा किरदार छोटा था। अगर फायदा होना होता तो फिर रोल में भी होना चाहिए था। सलमान खान ने मुझे मौका

दिया, क्योंकि उन्होंने मुझे उस रोल के काबिल समझा। वे मुझे बच्चे की तरह मानते हैं और उन्हें लगा कि इस रोल के जरिए मैं इंडस्ट्री में परिचित हो जाऊंगी, लेकिन मैं नहीं मानती कि मम्मी के स्टारडम के कारण काम के तरीके में मुझे कोई मदद मिली। मां के साथ अपनी तुलनाओं पर पलक ने कहा, दरअसल, मेरी मम्मी बहुत मशहूर हैं, तो लोग ये भूल जाते हैं कि वे मेरी मां हैं। अब तो हम इस बात पर हंसना सीख गए हैं, लेकिन पहले हमें भी ये बात अजीब लगती थी। अक्सर लोग कहते हैं कि उन्हें मेरी मां मुझसे ज्यादा पसंद हैं। लोगों को लगता है कि हमारे बीच प्रतिस्पर्धा है। ये बात बहुत फनी लगती है। अपनी मां से मैं क्यों प्रतिस्पर्धा करूंगी भाई। पलक का नाम काफी समय से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान संग जुड़ रहा है। इस पर वह बोलीं, देखिए, मेरे साथ चाहे कोई भी लड़का क्यों न हो, यही कहा जाता है कि मेरा चक्कर चल रहा है। क्या एक लड़की एक लड़के के बगल में खड़ी नहीं हो सकती? आमतौर पर पानी पूरी के ठेले पर खड़े लड़का-लड़की के बारे में तो कोई ये नहीं कहता, लेकिन हीरोइनों का चक्कर जरूर चला दिया जाता है। द भूतनी के बाद पलक फिल्म रोमियो एस3 में दिखाई देंगी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान गुड्डू धनोआ ने संभाली है। पिछले दिनों इस फिल्म से उनकी पहल झलक भी सामने आई थी। रोमियो एस3 में पलक के साथ ठाकुर अनूप सिंह नजर आएंगे।



# भाभी जी घर पर हैं फेम शुभांगी अत्रे की मुस्कान ने जीता फैंस का दिल, शेयर की दिलकश तस्वीरें

लोकप्रिय टीवी शो 'भाभी जी घर पर हैं की अंगूरी भाभी यानी शुभांगी अत्रे ने एक बार फिर इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से फैंस का दिल जीत लिया है. एक्ट्रेस ने सफेद रंग की ऑफ-शोल्डर ड्रेस में कुछ बेहद प्यारी तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें उनकी सादगी और मुस्कान फैंस को दीवाना बना रही है. शुभांगी अत्रे ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, अपने दिल में बसे सपनों के नेतृत्व में चलो, यानी अपने दिल के सपनों के पीछे चलो। एक्ट्रेस का ये मोटिवेशनल अंदाज़ उनके फैंस को भी खूब पसंद आ रहा है. तस्वीरों में शुभांगी का ग्लो और उनकी स्माइल सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है. कमेंट सेक्शन में फैंस उन्हें सुन्दरता की देवी और भाभी जी घर पर हैं की सबसे खूबसूरत महिला कहकर तारीफों की बरसात कर रहे हैं. शुभांगी अत्रे न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि अपने स्टाइल और

पॉजिटिव पर्सनैलिटी के लिए भी जानी जाती हैं. उनका ये लुक एक बार फिर साबित करता है कि वे फैंस की ऑल टाइम फेवरेट बनी हुई हैं। एक नजर में कहें तो शुभांगी की ये पोस्ट उनके फैंस के लिए एक खूबसूरत ट्रीट साबित हुई है. साथ ही फैंस उनके आगामी प्रोजेक्ट पर नजर गड़ाए हुए हैं.

# Now all the services related to election will be available in one place, Election Commission is bringing a new app

**New Delhi**: The Election Commission of India (ECI) is now preparing a new and easy digital platform, which will facilitate voters, election officials, political parties and social organizations. This new platform will be named ECInet. ECInet will bring together more than 40 mobile and website apps already existing with the Election Commission and give them a new look. This will be a single-stop app that will integrate more than 40 old mobile and web apps of the Election Commission. With the great user interface of ECInet, it will also be very easy to use, as all the election work will be done at one place. Now people will not need to download different apps and remember different logins.This platform was launched in March 2025 when Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar and two other Election Commissioners Dr.

Sukhbir Singh Sandhu and Dr. Vivek Joshi planned it in the conference of Chief Electoral Officers (CEOs). Through ECInet, users will be able to easily view important information related to elections on their computer or smartphone.ECInet will allow users to easily access important election-related information on their computers or smartphones. To ensure that the information is accurate, data on ECInet will be entered only by authorized Election Commission officials. Data entry by the concerned official will ensure that the information received by stakeholders is as accurate as possible. However, in case of any dispute, the primary data duly filled in the statutory forms will prevail. ECINET will include several existing apps such as Voter Helpline App, Voter Turnout App, cVIGIL, Suvidha 2.0, ESMS, Saksham and KYC App. All these apps together have been downloaded more than 5.5 crore times so far.ECINET is expected to benefit around 100 crore voters and over 10.5 lakh Booth Level Officers (BLOs), around 15 lakh Booth Level Agents (BLAs) appointed by political parties, around 45 lakh Polling Officers, 15,597 Assistant Electoral Registration Officers (AEROs), 4,123 Electoral Registration Officers (EROs) and 767 District Election Officers (DEOs) across the country involved in the entire election process.This app is almost ready and is being tested thoroughly so that it works smoothly and is completely safe. Before making it, opinions have been taken from 36 Chief Electoral Officers, 767 District Officers and 4,123 EROs of all the states and union territories. Also, 76 publications containing 9,000 pages of election rules, instructions and booklets issued by the Election Commission from time to time have also been reviewed.The information provided through ECInet will be within the legal ambit of the Representation of the People Act, 1950, 1951, Registration of Electors Rules, 1960, Conduct of Elections Rules, 1961 and the instructions issued by the Election Commission from time to time.

# Padma Shri Yoga Guru Baba Shivanand passed away, breathed his last in Varanasi at the age of 128

**Varanasi**: Padma Shri awarded 128-year-old yoga guru Baba Shivanand died at 8:45 pm on Saturday. He was admitted to Banaras Hindu University Hospital for the last three days due to breathing problems. Baba Shivanand lived a life full of simplicity, yoga and celibacy and Prime Minister Narendra Modi was also impressed by his yoga practice. On 21 March 2022, he was awarded the country's fourth highest civilian honor Padma Shri, and he became the oldest person to receive this honor.

He was born on 8 August 1896 in Srihatti of present Bangladesh. Born in a begging Brahmin family, Shivananda was handed over to the spiritual guru Baba Omkarananda Goswami by his parents at the age of 4. After the death of his family due to hunger at the age of 6, he embarked on the spiritual path and followed celibacy throughout his life.Baba lived in Kabir Nagar Ashram located in Bhelupur, Durgakund. His last rites will be performed at Harishchandra Ghat in Varanasi. Baba Shivanand used to come to Varanasi to vote in every election and recently he also took a bath in Sangam in Prayagraj Kumbh.

# After Kedarnath, the doors of Badrinath Dham also opened, 10 thousand devotees reached the temple in 2 hours; CM Dhami had darshan

**Chamoli,**: The doors of Badrinath Dham have been opened today at 6 am on Sunday. The chief priest of the temple opened the doors of the temple after Ganesh Puja. During this time there was a huge crowd of people and women sang folk songs. The band of Garhwal Rifles played traditional tunes. With this, the Chardham Yatra has started completely. Earlier, the doors of Gangotri-Yamunotri Dham were opened on 30 April on the day of Akshaya Tritiya and the doors of Kedarnath Dham were opened on 2

May. After the doors of Badrinath Dham opened, more than 10 thousand devotees reached the Dham in the next 2 hours. Chief Minister Pushkar Singh Dhami also performed worship and darshan. Devotees will be able to see Lord Badrivishal for the next 6 months. On May 3, the palanquin of Lord Badrivishal, the throne of Adi Guru Shankaracharya, the festive doli of Kuber and Uddhav reached the Dham.

Just like Yamunotri Dham, devotees are visiting Badrinath temple to have darshan of the Lord after taking bath in the hot pool. Hot stream of water from Alaknanda river flows into the hot pool present in Badrinath Dham surrounded by snowy mountains. It is believed that whoever takes bath in the hot pool and has darshan of Lord Badri Vishal attains Baikunth Dham.

# Pakistan, facing a shortage of big weapons, opened fire on the Line of Control

**New Delhi,**: Pakistan, which is facing a huge shortage of arms and ammunition, is not refraining from firing on the Line of Control. The Pakistani army is violating the ceasefire by firing small arms here. According to the army, firing was done once again from Pakistani military posts during the night of May 3-4. The Indian army immediately gave a harsh response to this firing. According to the army, Pakistani army posts have fired small arms without any provocation across the Line of Control in areas around Kupwara, Baramulla, Poonch, Rajouri, Mendhar, Nowshera, Sunderbani and Akhnoor in Jammu and Kashmir. The Indian Army responded to this immediately and accurately. It is worth noting that the intelligence report clearly states that the Pakistani army is very short of ammunition. This is the reason why the Pakistani army cannot fight a war for more than four days against a determined enemy. According to intelligence sources, Pakistan's military preparedness has come under question in its own country due to the severe shortage of its artillery ammunition. Pakistan has made arms deals with Ukraine and Israel, which has further aggravated its problem. This move of Pakistan has weakened its defense capabilities. Pakistan itself knows that it is not in a position to fight for more than four days due to the shortage of vital artillery ammunition. The Pakistani army sold a large amount of its ammunition to Ukraine and Israel in the last few months. Pakistan, which is going through a period of economic bankruptcy, gained some money through this, but it has dealt a severe blow to its military capability. At the same time, Pakistan's diplomatic neutrality has also been weakened by doing so. Along with this, Pakistan's move has also weakened its own combat capability. This whole story of selling weapons to Ukraine started when the Russia-Ukraine war ignited a global race for ammunition. Intelligence reports suggest that in this way Pakistan also sold weapons to Israel. It got some money immediately, but its military capability was reduced. Amid this shortage of heavy weapons, small arms firing is being done on the Line of Control from Pakistani military posts. The Pakistani army has earlier also fired across the Line of Control in Kupwara, Baramulla, Poonch, Nowshera and Akhnoor areas of the Union Territory of Jammu and Kashmir. The Pakistan Army has fired small arms without any provocation. At the same time, the Indian Army soldiers have responded to the firing in a restrained but accurate manner.At the same time, America has said that it will support India. US Defense Minister Pete Hegseth reaffirmed America's full support in India's fight against terrorism. He said, America stands in solidarity with India and supports India's right to self-defense.It is noteworthy that on April 22, terrorists brutally killed 26 tourists in Pahalgam, Jammu and Kashmir. Since then, the Pakistani army has also violated the ceasefire on the Line of Control. The Pakistani army has been firing across the Line of Control since last Friday, i.e. for the last 10 days.

# Pakistan again committed a nefarious act, violated ceasefire on LoC for the 10th consecutive day

**Jammu**: Pakistani troops continued unprovoked firing of small arms in various sectors along the Line of Control (LoC) in Jammu and Kashmir, drawing an effective response from the Indian Army. Ceasefire violations by Pakistan were reported from eight places spread across five districts of the Union Territory during the intervening night of Saturday and Sunday, but there were no reports of any casualties, officials said. This was the 10th consecutive night of unprovoked firing from

across the border in Jammu and Kashmir amid heightened tensions after the April 22 terror attack in Pahalgam that left 26 people, mostly tourists, dead. The defence spokesperson said that on the night of May 3 and 4, Pakistan Army posts resorted to unprovoked firing of small arms across the LoC in opposite areas of Kupwara, Baramulla, Poonch, Rajouri, Mendhar, Nowshera, Sunderbani and Akhnoor in Jammu and Kashmir. The Indian Army retaliated promptly. Ceasefire violations along the LoC and International Border (IB) have reduced significantly since India and Pakistan renewed the ceasefire agreement on February 25, 2021. Taking precautionary measures, nervous border villagers have already started cleaning their community and individual bunkers to make them habitable.

# (Etawah) Student's suicide case in Etawah, people came out on the streets, raised demand to suspend Usrahar in-charge

**Etawah**: In Etawah's Usrahar, a BSc second year student, troubled by the harassment and threats of a youth of a particular community, committed suicide by consuming poison. Angry villagers kept the body in the house and demanded the suspension of police station in-charge Mansoor Ahmed. During this, 12 policemen, PAC jawans, two COs and SDM are present on the spot to maintain peace and order.

Etawah: A 19-year-old girl student, troubled by the harassment and threats of a youth of a particular Usrahar community, consumed poison. The student died during treatment at Saifai Medical University on Friday. The family alleges that they had already lodged a complaint against the youth at the police station, but the police did not take timely action. It is alleged that despite the complaint, the accused continued to threaten and pressurize her to talk, due

to which the student took this step. SSP Sanjay Kumar Verma said that based on the complaint of the victim's father, the main accused and another have been arrested. In view of the situation, additional police force has been deployed in the village. The investigation of the case is ongoing. Let us tell you that the incident is from a village in Usrahar police station area. The student's father works as a labourer in Delhi. The mother and daughter lived at home. A young man living in the neighborhood was sending obscene messages to the student on her mobile for a long time and was pressuring her to meet him. The student's brother said that on April 24, the accused had threatened to kill the whole family. On April 26, the family filed a complaint against the accused and his two companions in the police station,The frustrated student consumed poison the same night. critical condition, where she died during treatment on Friday morning. Late night, the police registered a case under 115/2, 352/351(3) BNS and 66D IT Act for abetting suicide and arrested two real brothers. It is alleged that when the student's body was brought to the postmortem house late on Friday night, the staff tried to keep it in a faulty deep freezer. The family members created a ruckus over this. After half an hour, the body was shifted to another working freezer. The family also alleged that the body was sent for postmortem ten hours after the death, due to which the condition of the body deteriorated further.

India-Pakistan tension: Leave of employees of the Ordnance Factory which supplies ammunition to the army has been cancelled, this is the reason

**Jabalpur**: May 04 (RNS). Amid India-Pakistan tension, the leave of all the employees and officers of Jabalpur Ordnance Factory has been cancelled. Jabalpur Ordnance Factory is one of the biggest factories making ammunition for the Indian Army. It provides ammunition to the armed forces. The reason behind this is that such a step has been taken to meet the production target.In fact, the long leave of officers and employees at Ordnance Factory Khamaria in Jabalpur district of Madhya Pradesh has been canceled. In such a situation, now the employees or officers working here will not be able to take leave of more than two days. Let us tell you that about 4,000 people get employment in Jabalpur Ordnance Factory. It is one of the largest units of Munitions India Limited (MIL), which provides ammunition to the Indian Armed Forces. Actually, on one hand, the leaders of Pakistan are accusing India of trying to attack them. On the other hand, the Pakistan army itself is continuously violating the ceasefire on the Line of Control i.e. Russht in Jammu and Kashmir. Pakistan has been continuously violating the ceasefire for the last 10 days. The Indian army is also giving a befitting reply to Pakistan's firing.

# Gajendra Singh Shekhawat's clear statement to Pakistan - New India will give a befitting reply to terrorism

**Jaipur**: Union Culture and Tourism Minister Gajendra Singh Shekhawat said categorically that India is capable, competent, strong and independent in protecting its interests. On the terrorist incident in Pahalgam, Shekhawat said that this is the new India. On Saturday, during his Jodhpur visit, on a question related to the Pahalgam terror attack and the fearful atmosphere in Pakistan after that, Union Minister Shekhawat said that there should be fear in Pakistan. Goswami Tulsidas ji has written in Ramcharitmanas, 'Bhay bin ho preet...' I think that when India gave the message by conducting surgical strikes after Uri and Pulwama that we will not tolerate the activities going on against us from Indian soil and outside, after that no major terrorist incident took place in the last five-six years. Now once again such a cowardly act has been done. Shekhawat said that this is the new India. A befitting reply will be given to the Pahalgam incident. The Prime Minister has expressed this openly. On the question of Pakistani leaders threatening with Gauri-Ghaznavi missile and atom bomb, Shekhawat said that Gauri-Ghaznavi existed earlier also. Gauri-Ghaznavi had come to India many times and got hit. When we had carried

out air strikes, even then Gauri-Ghaznavi missile was present. The Union Minister said that even a thousand years ago our ancestors had taught them a good lesson. Once again our Agni and Brahmos will give a negative reply to Gauri-Ghaznavi. Union Minister Shekhawat said that the countries of the world, which have suffered the pain and sting of terrorism, are standing with India at this time. The world is accepting the fact that the roots of terrorism are being nurtured and nurtured in Pakistan. Not only America, all the countries of the world are standing with India with full strength, but I would say that whether anyone stands with them or not, India is capable, competent, strong and independent in protecting its interests. Pak's frustration will continue On the question of suspending the Indus Water Treaty, Shekhawat said that even during all the previous wars, we did not let the sanctity of the Indus Water Treaty be compromised, but the Prime Minister has clearly said that now the time has come when blood and water will not flow together. After 75 years of independence, we also need to think about under what pressure, why this treaty was signed by compromising the interests of India, the interests of the farmers of India, the interests of the people of India. He said that the panic in Pakistan due to the suspension of the treaty is natural. Now this panic will continue. On the question of bringing the water of Indus to Rajasthan, the Union Minister said that I believe that this will be in the interest of India. However, I think there is neither a need nor time to hurry on this. The decision of caste census is historic On the question of caste census and women reservation, Shekhawat said that the way the country changed after independence, the country developed, there was definitely a need for a fresh review at this time. I heartily welcome this decision of the Prime Minister for this historic decision, which will be for the welfare of the poor, for the welfare of the deprived, for those who have been left behind, in accordance with the spirit of Antyodaya, it will provide an opportunity to bring them all to equality. Will take responsible action on obscene contentOn the question related to serving pornographic content on OTT and social media, Shekhawat said that this is unfortunate. It is directly the subject of the Ministry of Information and Broadcasting. The country has expressed its concern over this. The responsible people should definitely take cognizance of this and take action. Congratulations to the media On World Press Freedom Day, Shekhawat said that press and journalism have a major contribution everywhere in the world. At the time of India's independence and after, the media has played as big a role in keeping the democratic system mature in the country, in keeping democracy on the right track as the judiciary has. Now the world scenario is changing. A new media vertical has emerged from social media. Many times we have experienced that the formal media was also seen flowing and coming under pressure due to the flow of news on social media. Artificial Intelligence increases the responsibility of maintaining the sanctity of the media even more. Shekhawat wished everyone on World Press Freedom Day.